महंगाई के मोर्चे पर देश की आम जनता को एक बार फिर तगड़ा झटका लगा है। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) 7.79 फीसदी रही है। खुदरा मुद्रास्फीति का यह आंकड़ा बीते आठ साल का सबसे ज्यादा है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 149 दिनांक:13-05-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पार्टी मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि चिंतन शिविर में पार्टी के संकट की राह निकालते हुए 2024 की लड़ाई की तैयारी के लिए भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति का मुकाबला करने की दिशा भी तय होगी।

महंगाई और बढ़ी, अप्रैल में छुआ 8 साल का उच्चतम स्तर

नई दिल्ली । महंगाई की दर अप्रैल में और बढ़ गई है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में वार्षिक आधार पर आठ साल के उच्च स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की अत्यधिक कीमतें थीं, जो लगातार चौथे महीने आरबीआई के ऊपरी टालरेंस स्तर से ऊपर रहीं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई इस साल मार्च में 6.95 फीसदी और अप्रैल 2021 में 4.23 फीसदी थी।

खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति (घ्र्ह्रूदह ग्ह्रप दिद्) अप्रैल में बढ़कर 8.38 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने में 7.68 प्रतिशत और एक साल पहले इसी महीने में 1.96 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक को सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि मुद्रास्फीति दोनों तरफ 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे। जनवरी 2022 से खुदरा मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है।

पिछले हफ्ते आरबीआई की औचक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि मौजूदा वैश्विक स्थिति के कारण अभूतपूर्व उच्च वैश्विक खाद्य कीमतों का प्रतिकूल प्रभाव घरेलू बाजार में भी दिखाई दे रहा है। आगे मुद्रास्फीति की दर पर दबाव जारी रहने की आशंका है।

इस बीच, सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय बैंक अगले महीने श्झ्ण की बैठक में मुद्रास्फीति अनुमान बढ़ा सकता है और इस पर काबू पाने के लिए दरों में बढ़ोतरी पर भी विचार करेगा। इस महीने की शुरुआत में एमपीसी ने बढ़ती मुद्रास्फीति पर काबू पाने के उद्देश्य से प्रमुख नीतिगत दर (रेपो रेट) में 40 आधार अंकों की वृद्धि की थी। अगस्त 2018 के बाद यह वृद्धि पहली बार हुई है।

वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच निवेशकों की जोखिम से बचने की भावनाओं के कारण गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ 77.40 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कमजोर घरेलू इक्विटी, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर में तेजी और लगातार विदेशी फंड के बहिर्वाह से भी रुपये पर असर पड़ा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अपने ऑल-टाइम इंट्रा-डे लो लेवल 77.63 पर आ गया। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपया 77.52 पर खुला था और दिन के कारोबार में 77.36 से 77.63 के दायरे में रहा। फिर, अंत में रुपया अपने पिछले बंद के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट के साथ 77.40 पर बंद हुआ। बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 77.25 पर बंद हुआ था।

उत्तर प्रदेश के सभी मदरसों में अनिवार्य हुआ राष्ट्रगान

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी के सभी 16461 मदरसों में अब प्रतिदिन राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य कर दिया गया है। यह व्यवस्था गुरुवार से ही लागू कर दी गयी है। जारी आदेश के तहत राज्य के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में आगामी शिक्षण सत्र से कक्षाएं शुरू होने से पहले अन्य दुआओं के साथ समवेत स्वर में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य रूप से करना होगा।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार एसएन पांडे द्वारा बीती नौ मई को सभी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को इस सन्दर्भ में आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि पिछली 24 मार्च को बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप नये शिक्षण सत्र से सभी मदरसों में प्रार्थना के समय राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया गया है। रमजान माह के दौरान मदरसों में 30 मार्च से 11 मई तक अवकाश घोषित था और 12 मई से नियमित कक्षाएं शुरू हुईं लिहाजा यह आदेश आज 12 मई 2022 से लागू हो गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि राज्य के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में आगामी शिक्षण सत्र से कक्षाएं शुरू होने से पहले अन्य दुआओं के साथ समवेत स्वर में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को राष्ट्रगान का गायन अनिवार्य रूप से करना होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी होगी। विदित हो कि उत्तर प्रदेश में इस वक्त कुल 16461 मदरसे हैं, जिनमें से 560 को सरकार से अनुदान प्राप्त होता है।

भाजपा के चुनावी माडल से मुकाबले का भी संकल्प लेगी कांग्रेस, उदयपुर में कल से है पार्टी का चिंतन शिविर

नई दिल्ली। उदयपुर में 13 से 15 मई तक होने जा रहे चिंतन शिविर में कांग्रेस अपनी संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंथन और 2024 के लिए दशा-दिशा तय करने के साथ ही भाजपा-संघ के कथित ध्रुवीकरण चुनावी माडल के खिलाफ स्पष्ट राजनीतिक लड़ाई की घोषणा भी करेगी। उदयपुर से उम्मीदों का सूरज निकलने की आस जताते हुए पार्टी ने बेबाकी से स्वीकार किया है कि उसकी मौजूदा संगठनात्मक खामियों और चुनौतियों का रातोंरात समाधान निकालने के लिए कोई जादू की छड़ी नहीं है। चिंतन शिविर में पार्टी आत्मचिंतन, आत्मावलोकन और आत्ममंथन कर बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप संगठन में बदलावों पर जरूर आगे बढ़ेगी। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पार्टी के राजनीतिक चिंतन में होने वाले बदलावों का संकेत देने के लिए कार्यसमिति के कुछ सदस्यों के साथ ट्रेन से उदयपुर रवाना हो गए हैं।

चिंतन शिविर को बेहद अहम करार देते हुए पार्टी मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने कांग्रेस की चुनावी पराजयों की पृष्ठभूमि में गंभीर हुई चुनौती की बात स्वीकार की। साथ ही कहा कि देश की वर्तमान चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए कांग्रेस को अपनी कमजोरियों से उबरना होगा। देश की अपेक्षाओं के अनुरूप कांग्रेस को अपनी संगठनात्मक क्षमता, दक्षता, कार्यकुशलता और कार्यशैली का न सिर्फ मूल्यांकन करना होगा बल्कि वर्तमान चुनौतियों और परिस्थितियों के अनुरूप ढालना भी होगा।

उन्होंने कहा, चिंतन शिविर में पार्टी के संकट की राह निकालते हुए 2024 की लड़ाई की तैयारी के लिए भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति का मुकाबला करने की दिशा भी तय होगी। सुरजेवाला ने कहा कि महंगाई की गंभीर मार हो, चीन का लद्दाख के इलाके में अवैध कब्जा, गंभीर बेरोजगारी, डांवाडोल अर्थव्यवस्था या फिर किसानों की आय दोगुनी तो दूर एमएसपी की गारंटी नहीं होने जैसी तमाम समस्याओं पर पर्दा डालने के लिए मोदी सरकार और भाजपा धर्मांधता फैला रही है। हिंदू-मुसलमानों के बीच विभाजन का बीज बोकर भाजपा लगातार इसमें अपनी चुनावी जीत तलाश रही है। तरक्की, रोजगार, खेती और उद्योग-धंधे-कारोबार चुनाव के मुद्दे नहीं रह गए हैं। इसके विपरीत बुलडोजर, लाउडस्पीकर, शमशान, कब्रिस्तान, खान-पान, पहनावे से लेकर भाषा के नाम पर नफरत की राजनीति परोसी जा रही है।

सुरजेवाला के अनुसार, उदयपुर चिंतन शिविर में पार्टी और देश की इन चुनौतियों का हल निकालने की दिशा तय करने के लिए ही 430 पार्टी प्रतिनिधियों को छह अलग समूहों में बांटा गया है। इन विषयों पर व्यापक चिंतन-मंथन का जो निष्कर्ष निकलेगा, वह कांग्रेस को न केवल वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से उबारकर एक नई दिशा देगा, बल्कि भारत के गौरवशाली भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि उदयपुर में कांग्रेस एक बार फिर देश को प्रगति, समृद्धि और उन्नति के पथ पर लाने के लिए एक 'नव संकल्प' लेने जा रही है।

जल्द आने वाला है मानसून, 15 मई को अंडमान में देगा दस्तक , जानें- कब पहुंचेगा केरल

नई दिल्ली । भीषण गर्मी झेल रहे लोगों के लिए बड़ी राहत देने वाली खबर है। इस साल दक्षिण पश्चिम मानसून (श्दहेददह 2022 इदर्ीूि) जल्द आ रहा है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 15 मई को पहली मौसमी बारिश होने की उम्मीद है। सामान्य रूप से मानसून 19-20 मई तक अंडमान निकोबार द्वीप समूह पहुंचता है। इस साल समय से चार दिन पहले 26 मई को मानसून के केरल पहुंचने की भी संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग विभाग (आइएमडी) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि दक्षिण पश्चिम मानसून के 15 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर और निकटवर्ती दक्षिणपूर्वी खाड़ी में पहुंचने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक विस्तारित पूर्वानुमानों में लगातार मानसून के समय से पहले केरल में दस्तक देने और उत्तर की तरफ बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। इससे देश के अधिकतर हिस्सों में लोगों को राहत मिलेगी जो पिछले एक पखवाड़े से अधिक समय से भीषण गर्मी से बेहाल हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले पांच दिन अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। 14 से 16 मई के दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। 15 और 16 मई को दक्षिण अंडमान सागर में हवा 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है।आइएएनएस के अनुसार 26 मई को मानसून के केरल पहुंचने की उम्मीद है। सामान्य रूप से केरल में मानसून का आगमन एक जून को होता है। असानी चक्रवात के चलते पिछले दो दिन से केरल में भारी बारिश भी हो रही है। पश्चिम बंगाल में बने साइक्लोन की वजह से 16 मई से मध्यप्रदेश में प्री-मानसून दस्तक दे सकता है। तीन दिन बाद प्रदेश में बादल डेरा डालना शुरू कर देंगे। शाम को हल्की बूंदाबांदी राहत देगी। इस बार मानसून भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम और उज्जैन संभागों में ज्यादा मेहरबान रहेगा। जबलपुर और सागर संभाग में यह सामान्य रहेगा। वैसे मध्यप्रदेश में मानसून के आने का समय पहले 10 जून था, लेकिन कुछ सालों से इसके देरी से आने के कारण अब 15 से 16 जून तय किया गया है। अगर कोई अड़चन नहीं आती है, तो ऐसी स्थिति में मानसून के मध्यप्रदेश में 15 से 16 जून तक आने की संभावना है। भोपाल में यह 20 जून के आसपास पहुंचेगा। जून में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा।

मानसून केरल से शुरु होकर धीरे-धीरे पूरे देश में फैल जाता है। इससे देश में कुल बारिश का 70 फीसद दक्षिण पश्चिम मानसून से ही होती है। भारत में रबी फसलों का आधा इसी मानसून पर निर्भर है। यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्यान्न की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। भारत में अच्छी बारिश, जो सभी राज्यों में हो, उसी से फसलें अच्छी होती हैं। इसी से भारत में खाद्यान्न आयात पर निर्भरता कम होती है।

देश में 40 फीसद किसान ऐसे हैं जो सिंचाई के लिए मानसून पर निर्भर हैं। खरीफ की फसलें जैसे- चावल, कपास, गन्ना, मसूर, चना और सरसों का उत्पादन करने वाले किसान इसी मानसून पर निर्भर रहते हैं। इससे पहले मौसम विभाग देश में लगातार चौथे साल मानसून के सामान्य रहने के आसार जता चुका है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में आतंकियों ने कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या की

श्रीनगर (ईएमएस)। कश्मीर में निर्दोषों का नरसंहार जारी है. गुरुवार को बडगाम जिले में आतंकियों ने एक कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार बडगाम जिले के चदूरा इलाके में संदिग्ध आतंकी चदूरा इलाके में स्थित तहसील कार्यालय में दाखिल हुए और लिपिक राहुल को गोली मार दी. कश्मीरी पंडित राहुल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई.

कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट में लिखा, 'आतंकियों ने बडगाम के चंदूरा के तहसीलदार ऑफिस में अल्पसंख्यक समुदाय के राहुल भट नाम के कर्मचारी को गोली मार दी. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी, इन दिनों कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदाय और प्रवासी मजदूरों को निशाना बना रहे हैं. सेना के अधिकारियों ने हाल ही में बताया है कि जम्मू-कश्मीर में फिलहाल कम से कम 168 आतंकवादी सक्रिय हैं जबकि 75 आतंकवादी इस साल मुठभेड़ में मारे गए हैं. जानकारी के अनुसार,उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में 21 विदेशी थे. उन्होंने बताया कि गत 11 महीने में, नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास ही मुठभेड़ों में आतंकवादियों का सफाया किया गया और घुसपैठ की 12 कोशिशें नाकाम की गईं.

पीएम मोदी ने कहा, WTO और WHO में सुधार जरूरी; स्वास्थ्य संबंधी आपात चुनौतियों से निपटने पर भी दिया जोर

नई दिल्ली। भारत ने एक बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर विश्व व्यापार संगठन (WTO) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) जैसी बहुराष्ट्रीय एजेंसियों में बड़े सुधार की मांग दोहराई है। गुरुवार को कोरोना पर दूसरे वैश्विक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र की भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए वैश्विक स्तर पर और ज्यादा समन्वय की जरूरत को बताते हुए कहा कि हमें एक मजबूत सप्लाई चेन भी स्थापित करनी होगी और वैक्सीन व दवाइयों तक सभी की पहुंच बनाने का काम करना होगा। पीएम मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के आमंत्रण पर इस वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले यह सम्मेलन 22 सितंबर, 2021 को आयोजित हुआ था जिसमें भी पीएम मोदी ने हिस्सा लिया था।

पीएम मोदी ने कहा, 'डब्ल्यूटीओ, खास तौर पर ट्रिप्स (बौद्धिक संपदा नियमों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समझौता) के नियमों को ज्यादा लचीला बनाने की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ में अनिवार्य तौर पर सुधार होना चाहिए और इसे ज्यादा मजबूत बनाने की जरूरत है ताकि वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे को ज्यादा उपयोगी बनाया जा सके।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने 98 देशों को 200 मिलियन कोविड वैक्सीन की डोज सप्लाई की है। भारत ने परीक्षण उपचार और डेटा प्रबंधन के लिए कम लागत वाली कोविड शमन तकनीक विकसित की है ।

पीएम मोदी की यह मांग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारत दूसरे देशों को खाद्य आपूर्ति बढ़ाने पर जोर दे रहा है। कोरोना महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद दुनिया में खाद्य संकट पैदा होने के आसार हैं। पीएम से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया है कि भारत दुनिया को खाद्यान्न संकट से लड़ने में मदद करने को तैयार है लेकिन पहले डब्ल्यूटीओ को अपने नियम बदलने होंगे।

पीएम ने डब्ल्यूएचओ की तरफ से वैक्सीन व दवाइयों को मंजूरी देने की प्रक्रिया को कारगर बनाने की जरूरत भी बताई। यह इसलिए जरूरी है कि ताकि सप्लाई चेन को सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक समुदाय का एक जिम्मेदार नागरिक है और वह अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को पूरी तरह तैयार है। पीएम ने कोरोना महामारी के दौरान भारत सरकार की तरफ से उठाए गए कदमों की भी जानकारी दी। आम बजट में स्वास्थ्य सेक्टर के आवंटन में अधिकतम वृद्धि की जानकारी भी उन्होंने दी। भारत ने अभी तक 98 देशों को 20 करोड़ वैक्सीन की आपूर्ति कर चुका है। भारत ने कोरोना की जांच के लिए जो तकनीक विकसित की है उसे भी दूसरे देशों को उपलब्ध करा रहा है।

कोरोना पर दूसरे वैश्विक वर्चुअल सम्मेलन की मेजबानी करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'एक राष्ट्र के तौर पर हमें इस तरह के दुख से नहीं घबराना चाहिए। इससे उबरने के लिए हमें याद रखना चाहिए कि इस महामारी के खिलाफ सतर्क रहना है और ज्यादा से ज्यादा जिंदगियों को बचाने के लिए वह सबकुछ करना चाहिए जो हम कर सकते हैं।'

सचिन पायलट बोले, एनडीए का मुकाबला करने के लिए यूपीए प्लस का गठबन्धन सबसे बेहतर विकल्प

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी धूरी है जिसके आसपास भाजपा विरोधी गठबन्धन बनता है और बनता रहेगा। कांग्रेस को आगे भी यह धुरी बने रहना चाहिए। बृहस्पतिवार को एक बातचीत में पायलट ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का मुकाबला करने के लिए यूपीए प्लस का गठबन्धन सबसे बेहतर विकल्प है।

पार्टी का चिंतन शिविर प्रारम्भ होने से पहले पायलट ने कहा कि तीन दिवसीय शिविर में सफल चुनावी रणनीति बनाने पर प्रमुखता से चर्चा की जाएगी। उन्होंने भाजपा पर मुददों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ असामाजिक तत्व स्मारकों, सड़कों का नाम बदलने जैसी मांगों के जरिए महंगाई जैसे मुददों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या ताजमहल और कुतुब मीनार का नाम बदलने की मांग पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आसमान छूटी कीमतों को कम करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन को नया रूप देने के लिए चिंतन शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसमें पार्टी का नया खाका तैयार होगा। केन्द्र सरकार की नीतियां पूरी तरह से विफल हुई है।

सचिन पायलट ने कहा कि चिंतन शिविर में कांग्रेस सहयोगी दलों को साथ लेकर ऐसी रणनीति बनाना चाहती हैकि देश को ज्वलंत मुददों को भटकाने के स्थान पर महंगाई, खस्ताहाल अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी का जवाब मांगा जाएगा, क्योंकि भाजपा अपने आठ साल का हिसाब देने की जगह कांग्रेस के शासनकाल पर सवाल खड़े कर रही है। पायलट ने कहा कि चिंतन शिविर में कांग्रेस के आगामी समय की कार्य योजना तैयार की जाएगी।

संगठन में होने वाले बदलाव पर चर्चा होगी। चिंतन शिविर कांग्रेस को उर्जा देने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नई उर्जा देने के लिए काम किया जा रहा है। चिंतन शिविर में सभी तरह के मुददों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही भविष्य की कार्य योजना बनेगी। उन्होंने कहा कि शिविर में 400 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं,उनमें से आधे 40 साल से कम उम्र के लोग हैं। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी धूरी है जिसके आसपास भाजपा विरोधी गठबन्धन बनता है और बनता रहेगा। कांग्रेस को आगे भी यह धुरी बने रहना चाहिए। एनडीए का मुकाबला करने के लिए यूपीए प्लस का गठबन्धन सबसे बेहतर विकल्प है।

रायपुर में एयरपोर्ट पर हेलीकाप्टर क्रैश, पायलट और को-पायलट की मौत

रायपुर,छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर गुरुवार की रात करीब नौ बजे टेस्टिंग के दौरान छत्तीसगढ़ शासन का हेलीकाप्टर लैंडिंग करते समय क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट और को-पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। माना एयरपोर्ट पर हेलीकाप्टर क्रैश की यह पहली घटना है।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को टेस्टिंग के दौरान हेलीकाप्टर पर सीनियर पायलट एपी श्रीवास्तव और को-पायलट गोपालकृष्ण पांडा सवार थे। रात करीब नौ बजे लैंडिंग के दौरान जोरदार धमाके के साथ हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर सीआइएसएफ और फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और भीतर फंसे पायलट और को-पायलट को किसी तरह बाहर निकाला।

हादसे में हेलीकाप्टर के दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल थे। जिन्हें बचाव अभियान चलाकर तुरंत ही इलाके के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दुर्घटना के बाद हेलीकाप्टर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत पर शोक जताया है।

एपी श्रीवास्तव और गोपालकृष्ण पांडा गंभीर रूप से घायल थे, जिन्हें फौरन रामकृष्ण केयर अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दुर्घटना के बाद हेलीकाप्टर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत पर शोक जताया है।

सीएम बघेल ने ट्वीट किया कि, रायपुर में हवाई अड्डे पर एक राजकीय हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुखद खबर मिली। इस दुखद हादसे में हमारे दोनों पायलट कैप्टन पांडा और कैप्टन श्रीवास्तव का निधन हो गया। ईश्वर उनके परिवारजनों को शक्ति और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में जारी रहेगा सर्वे का काम, एडवोकेट कमिश्नर बदलने के बजाए एक और की नियुक्ति हुई

वाराणसी (ईएमएस)। काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से एडवोकेट कमिश्नर को बदलने और ज्ञानवापी के तहखाने की वीडियोग्राफी मामले पर गुरुवार अदालत ने अपना फैसला सुनाया। ज्ञानवापी परिसर में कमीशन की कार्यवाही कर रहे एडवोकेट कमिश्नर को बदलने की अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की मांग सहित तहखाने की वीडियोग्राफी कराने की वादी पक्ष की अपील पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने फैसले में कहा है कि कमीशन की कार्यवाही जारी रहेगी। वहीं वीडियो रिकार्डिंग के साथ 17 मई तक रिपोर्ट प्रेषित करने का एडवोकेट कमिश्नर को आदेश दिया गया है।

अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि शासन और प्रशासन के सहयोग से 17 मई के पूर्व संपूर्ण ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियो रिकार्डिंग करके कोर्ट को उपलब्ध कराई जाये। सारा अधिकार जिलाधिकारी को अदालत ने ताला खुलवा कर कमीशन की कार्यवाही का निर्देश जारी किया है। सर्वे का विरोध करने वालों पर विधिक कार्रवाई का निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से सभी प्रकार की मांगों को खारिज करते हुए एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्रा और विशेष अधिवक्ता आयुक्त विशाल सिंह के साथ ही सहायक अधिवक्ता आयुक्त अजय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे और कमीशन की कार्यवाही पूरा कराएंगे। इस मामले में पूरे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियो रिकार्डिंग का आदेश अदालत की ओर से जारी करने की जानकारी अधिवक्ताओं की ओर से दी गई।

ज्ञानवापी कमीशन कार्रवाई के संबंध में कोर्ट ने पूरी तरह से स्पष्ट रूप से गुरुवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि कमीशन की कार्यवाही जारी रहेगी। अंजुमन इंतजामिया कमेटी की एडवोकेट कमिश्नर बदलने की मांग भी खारिज कर दी गई। स्पष्ट किया गया कि अजय कुमार मिश्रा एडवोकेट कमिश्नर बने रहेंगे। उन्हें 17 मई तक कोर्ट में पूरी कार्यवाही की रिपोर्ट जमा करनी होगी। कमीशन कार्यवाही के स्थल पर वादी, प्रतिवादी, अधिवक्तागण, एडवोकेट कमिश्नर, उनके सहायक व कमीशन कार्रवाई से संबंधित व्यक्तियों को छोड़ कर अन्य कोई बाहरी व्यक्ति नहीं शामिल हो सकेगा। एडवोकेट कमिश्नर पक्षकारों द्वारा बताए गए बिंदुओं पर फोटो लेने व वीडियोग्राफी कराने के लिए स्वतंत्र होंगी।

घातक हमले में विहिप के नोहर प्रखंड अध्यक्ष सतवीर साहरण गंभीर, तनाव फैला, इंटरनेट बंद

हनुमानगढ़(ईएमएस)। हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में विश्व हिंदू परिषद नोहर के प्रखंड अध्यक्ष सतवीर सहारण पर कुछ युवकों ने घातक हमला कर दिया। इससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में उन्हें बीकानेर रेफर किया गया है। घटना से उनके समर्थक और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और उन्होंने रावतसर-नोहर मार्ग पर जाम लगा दिया। हालात को देखते हुये जिला प्रशासन ने गुरुवार को नोहर, भादरा और रावतसर इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया है। संभागीय आयुक्त और आईजी सहित जिला कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक नोहर में जमे हुए हैं। कस्बे में फ्लैग मार्च किया जा रहा है।

नोहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जांगिड़ ने बताया कि सतवीर सहारण रामदेव मंदिर के बाहर खाली जगह पर बैठे रहने वाले समुदाय विशेष के युवकों से समझाइश करने गए थे। वहां पर युर्वकों ने सहारण पर हमला कर दिया। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना मिलने पर सहारण को पहले नोहर के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से उनको प्राथमिक उपचार देकर हनुमानगढ़ रेफर कर दिया गया। सहारण के सिर में गंभीर चोट बताई जा रही है। हनुमानगढ़ में भी सहारण की स्थिति में सुधार नहीं होता देखकर उनको तत्काल बीकानेर के लिये रेफर कर दिया गया।

हाई कोर्ट ने खारिज की ताजमहल के 22 कमरे खुलवाने की मांग वाली याचिका

लखनऊ (ईएमएस)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आगरा के ताजमहल में बंद पड़े 22 कमरों को खुलवाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार भी लगाई है। वहीं ताजमहल के 22 कमरों को खुलवाने के साथ ही सर्वे कराने की याचिका खारिज होने पर याचिका दायर करने वाले भाजपा नेता डा. रजनीश सिंह ने कहा कि हम सर्वे के मामले को अब सुप्रीम कोर्ट ले जाएंगे।

न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने याचिका पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अदालत भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के वकील रुद्र विक्रम सिंह को भी बिना कानूनी प्रावधानों के याचिका दायर करने की गयी है। बेंच ने उससे यह भी कहा कि याचिकाकर्ता यह नहीं बता सकता कि उसके किस कानूनी या संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन किया गया है। दलीलों के बाद जब पीठ याचिका खारिज करने जा रही थी तो याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से याचिका वापस लेने और बेहतर कानूनी शोध के साथ एक और नई याचिका दायर करने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन पीठ ने उनके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया और याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ताजमहल के संबंध में दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायालय ने याचिका को पोषणीय न मानते हुए खारिज किया है।

न्यायालय ने कहा कि याचिका मे जो मांग की गई है, उन्हें न्यायिक कार्यवाही में तय नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने आगे कहा कि ताजमहल के संबंध में रिसर्च एक एकेडमिक काम है, न्यायिक कार्यवाही में इसका आदेश नहीं दिया जा सकता। न्यायालय ने याचिका में उठाए गए विषयों व प्रार्थना को न्यायालय ने पोषणीय नहीं माना है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पहले तो इस याचिका पर सुनवाई से ही इन्कार कर दिया था, लेकिन याचिकाकर्ता के आग्रह पर दो बजे से सुनवाई की। न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय ने कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील को जमकर फटकारा। उन्होंने कहा कि पीआईएल व्यवस्था का दुरुपयोग न करें। उन्होंने कहा कि कल को आप यहां पर आएंगे और कहेंगे कि आपको जजों के चेंबर में जाना है। इतिहास आपके मुताबिक नहीं पढ़ाया जाएगा।

राज्यसभा की 57 सीटों पर चुनाव 10 जून को, 11 सीटें यूपी से

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्य सभा की खाली हो रही 57 सीटों पर 10 जून को चुनाव होना हैं। इसमें सबसे ज्यादा सीटें उत्तर प्रदेश से 11, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से 6-6, बिहार से 5 और राजस्थान और कर्नाटक से 4-4 सीटें शामिल हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि 57 सीटों पर चुनाव की अधिसूचना 24 मई को जारी होगी। इसके नामांकन की आखिरी तारीख 31 मई होगी। नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की तारीख 1जून और नाम वापस लेने के लिए 3 जून अंतिम तारीख होगी। सभी 57 सीटों पर 10 जून को सुबह 9 बजे से 4 बजे तक वोट डाले जाएंगे। 10 जून को ही वोटों की गिनती शाम 5 बजे होगी।

जानकारी के अनुसार इन सीटों में उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 11 सीटें खाली हो रही हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र की 6, आंध्र प्रदेश की 4 सीटें, तेलंगाना की 2 सीटों, छत्तीसगढ़ की 2 सीटों, मध्य प्रदेश की 3 सीटों, तमिलनाडु की 6 सीटों, कर्नाटक की 4, ओडिशा की 3, पंजाब की 2, राजस्थान की 4, उत्तराखंड की 1, बिहार की 5, झारखंड की 2, हरियाणा की 2 सीटों पर मतदान होगा।

कार्टून कोना

जन हितैषी

भूखे पेट भजन ना होय गोपाला

आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में आम जनता सड़कों पर हिंसा पर उतारू हो गई है। जिस मंहिंद्रा राजपक्षे को जनता अपना भगवान मानती थी। उन्हीं राजपक्षे और उनके समर्थन सांसदों के खिलाफ श्रीलंका की जनता सड़कों पर आकर मरने-मारने पर उतारू है।

1917 की रूसी जार क्रांति की तरह श्रीलंका की जनता नेताओं के घरों में घुसकर घर जला रही है। सांसदों एवं सरकारी पदों पर बैठे लोगों को खोज-खोजकर उन पर हमले कर मार रही है। अभी तक श्रीलंका की हिंसा में 1 सांसद सहित 8 लोगों की हत्या हो गई। श्रीलंका के प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री सिहासन छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए है। 1 दर्जन से अधिक मंत्रियों के बंगलों पर आम जनता ने आग लगा दी। 2 बार आपात काल लागू करने के बाद भी सेना और प्रशासन हिंसक प्रदर्शनकारियों को रोक नहीं पा रही है। राजपक्षे का बंग्ला प्रदर्शनकारियों ने जला दिए है। सत्ता से जुड़े लोगों के घरों पर प्रदर्शनकारी हमला कर उन्हें जला रहे है। राजनेता एवं शासन के प्रमुख पदों पर बैठे लोग अपनी जान बचाने के लिये भाग रहे है।

भूख और मुसीबत से बेहाल जनता का गुस्सा अपने चरम पर है। आम जनता, कर्फ्यू लगे होने के बाद भी सड़को पर बड़ी संख्या में आकर लूटपाट कर अपने भोजन का जुगाड़ कर रही है। सेना, पुलिस, शासन, प्रशासन आम जनता के जिम्मेदार नेता, अधिकारी भाग कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। उधार की अर्थ- व्यवस्था ने श्रीलंका सहित दुनिया के लगभग सभी देशों में अराजकता की स्थिति पैदा कर दी है। भौतिक सूख - सुविधाओं के लिए कर्ज लेकर घी पीने की प्रवृति सरकारों के साथ - साथ घर - घर तक पहुंच गई थी। श्रीलंका सरकार ने भी भारी कर्ज ले रखा है। महिन्द्रा राजपक्षे उधार की अर्थ - व्यवस्था से जनता के चहेते और लोकप्रिय नेता बनकर राज कर रहे थे। भारी कर्ज के बोझ से दबी श्रीलंका की अर्थ - व्यवस्था ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित किया है। आम जनता को 2 जून की रोटी नहीं मिल पा रही है। ऐसी स्थिति नंगी -भूखी जनता स्वंय का और अपने परिवार का पेट भरने के लिए हिंसा और लूट - पाट में लिप्त होकर किसी तरह जीवन को बचाने का संघर्ष कर रही है। विदेशी मुद्रा का संकट होने से रोजमर्रा की चीजें श्रीलंका से गायब है। बेरोजगारी, मंहगाई एवं भूख ने श्रीलंका में अराजक्ता की स्थिति पैदा कर दी है। भारत में कहावत है ठभूखे पेट भजन न हो गोपालाठ।

आमदनी अटन्नी और खर्चा रुपैया, कुछ समय के लिए ही संभव है। उधार की अर्थ - व्यवस्था किसी का भला नहीं कर सकती है। श्रीलंका सहित दुनिया के 50 से अधिक देशों में लगभग यही हालात हैं। इस स्थिति से अब निकलने की जरुरत है।

भारत के भी आर्थिक हालात लगातार चिंतनीय होते जा रहे हैं। कोरोनावायरस संकट के बाद देश के लगभग 9 करोड़ लोग निम्न मध्यम वर्ग से अति गरीब हो गए हैं। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम होने लगा है। सार्वजनिक सेवा की बैंक ओएनजी बीमा जैसी नवरत्न कंपनियों को किसी क्षेत्रों को बेचा जा रहा है। सरकार लाभ देने वाली कंपनियों में हिस्सेदारी बेच रही है। श्रीलंका में प्रधानमंत्री 2050 तक सत्ता में बने रहने का दावा कर रहे थे। लेकिन आज उन्हें सत्ता छोड़ कर भागना पड़ा। पेट्रोल-डीजल, मंहगाई, बेरोजगारी के कारण श्रीलंका जैसे हालात भारत में भी हो सकते हैं। यदि समय रहते भारत की आर्थिक स्थिति को नहीं संभाला गया तो महंगाई बेकाबू हो जाएगी। बेतहाशा बढ़ती महंगाई ने मध्यम एवं निम्न वर्ग के परिवार की कमर तोड़ दी है। जनता में भयानक असंतोष है। सभी चीजों के बढ़ते दामों के कारण आर्थिक हालात बिगड़ चुकी हैं। भारत के ऊपर विदेशी कर्ज भी लगातार बढ़ रहा है। भारत के कई राज्यों ने अपने जीडीपी के अनुपात में अधिक कर्ज ले रखा है। श्रीलंका कर्ज के कारण दिवालिया हुआ है। भारत को समय रहते मंहगाई को नियंत्रित करने एवं विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए त्वरित निर्णय लेना होगा अन्यथा भारत में भी अराजक्ता की स्थिति पैदा हो सकती है।

'राम 'मर्यादा पुरुषोत्तम ही नही परमात्मा भी है!

भगवान का नाम लेना हो तो 'राम' शब्द का उच्चारण करना हम शुरू कर देते है ।यही वह 'राम' शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से मन मे शांति, सुख , सन्तुष्टि का बोध होता है।ऐसा किसी अन्य शब्द में नही है।क्योंकि राम केवल दशरथनन्दन श्री राम ही नही है अपितु 'राम' उस परमात्मा का नाम भी है, जिनकी साधना स्वयं दशरथनन्दन यानि रामचंद्र जी भी करते है।यानि राम परमसत्ता है तो एक आदर्श का प्रतिरूप भी।तभी तो 'राम' हर किसी के रोम रोम में बसा है।वह भी आज से ही नही,बल्कि युगों युगों से।सबुरी राममय हुई तो 'राम', सबुरी के हो गए और सबुरी के झूठे बेर तक खा लिए। आज सबुरी जैसी आस्था तो कम ही देखने को मिलती है। हालांकि 'राम' का मंदिर बने यह उत्साह हर उस व्यक्ति में है जिसके घट में 'राम' है। राम मंदिर मुद्दा कानून की चौखट से होते हुए कानून की ही बदौलत निर्माण के लक्ष्य तक आ गया है।मंदिर जितना बड़ा और भव्य होगा उतना ही राम के भक्तो में हर्ष की अनुभूति होगी।लेकिन आवश्यक है कि हम राम को आत्मसात भी करे।राम मर्यादा पुरुषोत्तम है तो हम भी राम का आदर्श स्थापित करे।राम के उच्च चरित्र को दर्शाती 'रामायण' हिंदू धर्म की एक प्रमुख आध्यात्मिक धरोहर है परंतु 'रामायण' को बार बार पढ़ने के बावजूद भी उसमें लिखे आध्यात्मिक मूल्यों की धारणा नहीं हो पा रही है। हम राम के नाम रूप पर तो बहस करते रहते हैं लेकिन राम को अपनाने की कभी कौशिश नही करते। रामायण को जीवन मूल्यों के रूप में समझने की आवश्यकता हैं। ताकि रामायण में लिखी हर बात आज के समय में प्रासंगिक सार्थक सिद्ध हो सके ।

रामायण महर्षि बाल्मीकी के द्वारा लिखित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ है । महर्षि बाल्मीकी ने आध्यात्मिक जागृति व ईश्वरीय अनुभूति के द्वारा दिव्य व महान ग्रन्थ रामायण को रचा था, जिससे वे स्वयं भी महान हो गए।वह व्यक्ति दूसरों का शुभचिंतक हो जाता है,जो स्वयं की अनुभूतियों को समाज कल्याण हेतु प्रयोग कर लोगों में एक नई सोच फैलाने का कार्य करता है। स्वयं का जीवन परिवर्तन होने पर महर्षि बाल्मीकी ने समाज में आध्यात्मिक जागृति लाने का अभियान चलाया । मोह माया में फँसें लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान रोचक लग सके ,इसके लिए उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को एक रोचक कहानी के रूप में प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य नायक व नायिका राम और सीता को रखा गया ।उसी प्रकार महाकवि तुलसी दास ने 'राम चरित मानस' के माध्यम से राम को आदर्श व मर्यादा का पर्याय सिद्ध किया। महर्षि बाल्मीकी ने त्रेता युग के बाद समाज में आध्यात्मिक क्रांति लाने हेतु राम व सीता का नाम व चरित्र समाज के सामने प्रस्तुत किया। तभी तो वे संसार के प्रेरक बन गए । हम रामायण के सभी पात्रों को उसी तरह से स्वीकार करते हैं जैसे रामायण को पढ़ने पर जान पडता है ।परन्तु इस तरह से तो रामायण में दर्शाए गए पूर्णतः अहिंसक पात्र भी हिंसक नज़र आते हैं जैसे राम के द्वारा रावण का वध करना, भगवान की परिभाषा को खंडित करता है ,राम यदि भगवान हैं तो वह हिंसक हो ही नहीं सकते और राम यदि सर्वशक्तिमान ईश्वर है तो उनकी सीता को एक दैत्य रावण कैसे उठाकर ले जा सकता है ? इसलिए कहीं न कहीं रामायण को किसी और परिपेक्ष में देखने की आवश्यकता है। रामायण का वास्तविक्र अर्थ जानने के लिए रामायण के विभिन्न पात्रों को निम्नलिखित रूप में समझ कर पढ़ें तो आपको उसमें लिखा एक एक आध्यात्मिक बिंदु समझ आ आएगा । राम वास्तव में परमात्मा ही है जो संगम युग में धरा पर अवतरित हो कर अपनी बिछड़ी हुई सीता यानि सतयुगी आत्मा को रावण यानि विकारों के चंगुल से छुड़ाने आते है ।सीता, हर वह आत्मा जो वास्तव में पवित्र है परंतु आज रावण के चंगुल में फँसी होने के कारण संताप झेल रही है । रावण ,पतित व विकार युक्त सोच व धारणा ही रावण है जिसमें फँसी हर आत्मा आज विकर्मों के बोझ तले दबती जा रही है । पाँच मुख्य विकार पुरुष के व पाँच विकार स्त्री के ही रावण के दस शीश हैं ।हनुमान , वास्तव में धरा पर अवतरित हुए परमात्मा को सर्वप्रथम पहचानने वाली आत्मा ही हनुमान हैं परंतु हर वह आत्मा जो ईश्वर को पहचान दूसरी आत्माओं (सीता) को धरा पर आए ईश्वर (राम) का संदेश देने के निमित बनती है, वह भी हनुमान की तरह ही है ।

वानर सेना ,साधारण दिखने वाली मनुष्य आत्माएँ ईश्वर (राम) को पहचान कर, संस्कार परिवर्तन द्वारा पूरानी दुनियाँ या रावण राज्य (पतित सोच पर आधारित दुनिया) को समाप्त करने में राम का साथ देने वाली संसार की 33 करोड़ आत्माएँ ही वानर सेना है ।

लंका ,पुरानी पतित दुनियाँ जहाँ हर कार्य देहभान में किया जाता है ,वही रावण नगरी लंका है ।आज हमें इसी सत्यता को आत्मसात कर विकर्मों को त्याग कर राम की तरह पवित्र बनना है,तभी रामयुग यानि सतयुग वापस आ सकता है।जिसके लिए हम सबको अभी से आध्यात्मिक तैयारी करने और राम मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। (लेखक- डॉ. श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

हम भी वही कर रहे है, जो मुगलिया शासकों ने किया था!

(इतिहास की पुनरावृत्ति) एक बहुत पुरानी कहावत है- ''इतिहास स्वयं को दोहराता है'' ....आज उसी पुरानी कहावत के भारत में साक्षात दर्शन हो रहे है, आज से कुछ शताब्दियों पूर्व तत्कालीन शासकों ने जिस धर्म आधारित राजनीति के तहत हमारे देश के आराधना स्थलों को खण्डहरों में परिवर्तित कर उनकी जगह अपनी धर्म पताकाएँ फहराई, आज हम भी उसी इतिहास को दोहराने की ओर अग्रसर है और गैर हिन्दू आराधना स्थलों पर अपने मंदिरों के प्राचीन अवशेष खोज रहे है, उस समय के तत्कालीन शासकों ने भी मजहब से प्रभावित हो कर अनैतिक कार्य किया था और आज हम भी धार्मिक भावनाओं से ग्रसित होकर वही करने जा रहे है, आखिर इससे हमें हासिल क्या होना है? क्या आज हमारे देश में आराधना स्थलों की कमी है, जो हम नए पुरातन आराधना स्थलों की खोज कर रहे है? या हमारे इस कृत्य के पीछे हमारी भावनाएँ व हमारे प्रयास कुछ और है? आज हर भारतीय के लिए यह आत्मचिंतन का विषय होना चाहिए।

यह कृत्य यहीं तक सीमित होता तो फिर भी ठीक था, किंतु हम तो इस कृत्य के माध्यम से नए शोध के नाम पर हमारे पुरातन इतिहास को बदलने का प्रयास कर रहे है, जिसका ताजा उदाहरण यह सिद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है कि विश्व के सात अजूबों में से एक हमारे देश की धरोहर ताज महल मुस्लिम शासक शाहजहां ने अपनी बैगम मुमताज की स्मृति में नहीं बनवाया था, बल्कि वहां किसी परारदी देव ने तेजो महालय (शंकर मंदिर) स्थापित किया था, जिसे तोड़कर वहां थोड़ा-बहुत परिवर्तन कर आज के ताज महल को बनवाया गया, इसके प्रमाण में कई दलीलें भी दी जा रही है, जिनमें से एक दलील यह है कि मुगल शासक अपने किसी भी निर्माण कार्य के नामकरण के साथ 'महल' के नाम पर नहीं करते थे, अब यह भी दावा किया जा रहा है कि ताज महल के नीचे 22 कमरे है, जिन्हें 1934 के बाद से आज तक खोला नहीं गया है, इन कमरों में हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ, भित्तीचित्र और शिला लेख विद्यमान है, अब न्यायपालिका में गुहार लगाकर इन रहस्यमयी कमरों को खुलवाकर जांच कराने की याचना की जा रही है। फिलहाल ताज महल यूपी सुन्नी वक्फ कमेटी के नियंत्रण में है।

ठीक यही विवाद एक और विश्व धरोहर दिल्ली स्थित कुतुब मीनार को लेकर है, इतिहासकारों के अनुसार इस मीनार का निर्माण 1192 में तत्कालीन मुस्लिम शासक कुतुबद्धिन ऐबक ने करवाया था, उसने अपने ही नाम पर इसका नामकरण भी किया था। अब देश के हिन्दू संगठन दावा कर रहे है कि इसी मीनार में हिन्दू देवी देवताओं के सत्ताईस मंदिर है, संगठनों ने पिछले दिनों धरना प्रदर्शन के माध्यम से न सिर्फ इन मंदिरों की पूजा का अधिकार देने की मांग की बल्कि कुतुबमीनार का नाम बदलकर 'विष्णु स्तंभ' करने की भी मांग की, यह मीनार भी दुनिया की अमूल्य धरोहरों में से एक है और यदि इसका नाम बदला गया तो इसका 'विश्व धरोहर' का दर्जा भी छीन जाएगा, किंतु धर्मान्धियों को इस बात की कोई चिंता नहीं है इसी के चलते विश्व प्रसिद्ध भारत की इन दोनों धरोहरों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

यह तो हुई हमारी विश्व प्रसिद्ध धरोहरों के अस्तित्व की बात। अब यदि हम हमारे तीर्थस्थलों की बात करें तो वहां भी नए-नए दावे कर इन तीर्थस्थलों की साम्प्रदायिकता के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है, अयोध्या का बाबरी मस्जिद काण्ड तो किसी से छिपा नहीं है, अब इसी काण्ड को हमारे प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ काशी (वाराणसी) और मथुरा में दोहराने के प्रयास किए जा रहे है, कहा जा रहा है कि वाराणसी में बाबा विश्वनाथ जी के मंदिर के निकट स्थित ज्ञानवापी मस्जिद मंदिर की ही जमीन पर बनाई गई है, न्यायालय के आदेश पर जब जांच दल वहां पहुंचा तो मस्जिद के प्रबंधकों ने उन्हें सर्वेक्षण करने से रोक दिया, अब न्यायालय पुनः सर्वेक्षण की तारीख तय कर निर्देश देने वाला हैं। यही विवाद अब राम जन्मभूमि (अयोध्या) के बाद कृष्ण जन्मभूमि (मथुरा) में भी शुरू हो रहा है, वहां भी कृष्ण जन्मभूमि स्थित मंदिर के पास स्थित मस्जिद के बारे में कहा जा रहा है कि कृष्ण मंदिर के एक हिस्से को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई गई है, वहां भी हिन्दू संगठन आंदोलनरत है। हमारे देश की राजधानी में कुतुब मीनार काण्ड के साथ ही वहां की सड़कों, मोहल्लों के नाम बदलने का भी अभियान जारी है, जिस सड़क-मोहल्लें का स्थान किसी मुस्लिम हस्ती के नाम पर है, उन सभी को बदलने का अभियान जारी है।

सबसे अधिक दुर्गति इसी संदर्भ में हमारी न्यायपालिका की है, वैसे ही हमारे देश की अदालतों में वर्षो से पैंसठ हजार से अधिक मामले लम्बित है, उनके फैसलें हो नहीं पा रहे है और अब देश के न्यायालयों में सैकड़ों मामले अब तक इन मंदिरों मस्जिदों के पहुंच चुके है, जिन पर सुनवाई-जिरह आदि भी शुरू हो चुकी है।

इस प्रकार कुल मिलाकर पूरे देश में पिछले कुछ अर्से से जो साम्प्रदायिक माहौल बनाने का कतिपय संगठनों द्वारा प्रयास किया जा रहा है, उससे देश का आम आदमी चिंतित है और धीरे-धीरे यह माहौल जो डरावना रूप धारण कर रहा है, इससे और अधिक भय व्याप्त हो रहा है और सरकार है जो इस ओर से पूरी तरह आँखें मूंदे हुए है, आखिर इसका अंजाम क्या होगा? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता /ईएमएस)

गर्मियों में घमौरियों का इलाज है ये हर्बल जड़ी बूटी का तेल

गर्मियों में घमौरियां लगभग हर किसी को परेशान करती हैं। ऐसे में आप इसकी खुजली और जलन से छुटकारा पाने के लिए इन तेलों की मदद ले सकते हैं।

गर्मियों में घमौरियां होना एक आम बात है। लेकिन ये परेशान बहुत करता है। दरअसल, घमौरियां हमेशा जलन और खुजली देने वाली होती हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में अक्सर लोग पाउडर और क्रीम आदि की मदद लेते हैं। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे हर्बल ऑयल के बार में बताएंगे जिन्हें लगा कर आप घमौरियों से छुटकारा पा सकते हैं। जी हां, दरअसल ये ऑयल एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होते हैं जो कि पहले तो घमौरियों के एक्टिव बैक्टीरिया को इनएक्टिव करते हैं और उन्हें फैलने से रोकते हैं। उसके बाद ये तेल जलन को शांत करता है और खुजली से राहत दिलाता है। इस तरह से ये घमौरियों को ठीक करने में मददगार है।

चन्दन का तेल

चंदन का तेल एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों स भरपूर होती है और घमौरियों को शांत करती है। लेकिन इसका सबसे बड़ा गुण है कि इसका अहसास ठंडा होता है और ये सबसे पहले तो घमौरियों को शांत कर देती है। इसके लिए आप चंदन के तेल को घर पर भी बना सकते हैं या फिर बाजार से खरीद कर भी ला सकते हैं। उसके बाद इसे कॉटन से सहारे से अपने घमौरियों पर लगाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें। फिर ठंडे पानी से नहा लें। ये आपकी जलन और खुजली को कम करने में मदद करेगी।

निलगिरी का तेल

निलगिरी का तेल ठंडा होता है जो कि घमौरियों को शांत करता है। साथ ही ये एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटी गुणों से भी भरपूर है जो कि घमौरियों को शांत करता और इसे ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा ये तेल घमौरियों के जलन और खुजली को ठीक करता है। इसे आप सीधे तौर पर घमौरियों पर लगा सकते हैं या फिर आप इसे नहाने के पानी में डाल कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लौंग और कपूर का तेल

लौंग और कपूर का तेल आप घर बना सकते हैं और घमौरियों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले तो नारियल तेल ले लें। इसमें बाद इसमें लौंग और कपूर मिला लें और फिर इसे धीमी आंच पर पकाएं। फिर इसे बॉटल में डाल कर बंद करके रख लें। फिर इसे घमौरियों पर कॉटन की मदद से लगाएं। ये घमौरियों के दर्द, खुजली और जलम को कम करने में मदद करेगा।

पिपरमेंट ऑयल

पिपरमेंट ऑयल की प्रकृति ठंडी होती है इसलिए आप इसे घरौरियों पर लगा सकते हैं। ये तेल एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है और घमौरियों को शांत करता है। साथ ही ये घमौरियों के निशान को कम करने में भी मददगार है।

लेमन ग्रास ऑयल

लेमन ग्रास ऑयल को आप नहाने के पानी में मिला कर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण इंफेक्शन को कम करता है और घमौरियों और रैशेज को कम करता है। साथ ही से स्किन को अंदर से स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। तो, इस तरह आप घमौरियों को ठीक करने के लिए इन तमाम तेलों की मदद ले सकते हैं।

इसके अलावा कच्चे आम की गोही को फोड़कर उसकी मज्जा जो सफ़ेद होती हैं उसे पीसकर लेप लगाने से भी लाभ होता हैं। त्वचा की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना जरुरी हैं। (लेखक-- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

आज का इतिहास 13 मई

1503 स्पेनी फौजे फ्रांसिसियों को पराजित कर नेपल्स पहुंची.
1648 दिल्ली का लाल किला बनकर पूरा हुआ.
1809 फ्रांस ने विएना पर कब्जा किया.
1830 इक्वाडोर गणराज्य बना.
1888 ब्राजील की संसद ने दास प्रथा समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया.
1968 अमरीका और उत्तर वियतनाम के बीच शांति वार्ता पेरिस में शुरु हुई.
1969 मलेशिया में दंगो में एक सौ से अधिक लोग मारे गए.
1972 ओसाका, जापान में नाइट क्लब में लगी आग से 116 लोगों की मृत्यु.
1992 अमरीकी अंतरिक्ष शटल इंडेवर के तीन अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष में तैरकर इनसैट-6 की मरम्मत की.
1993 एजर बिजमेन ने इजरायल के राष्ट्रपति पद की शपथ ली.
1996 बंगलादेश में समुद्री तूफान से छह सौ से अधिक लोग मारे गए.
1999 पेरू और इक्वाडोर का सीमा विवाद हल हुआ.
1998 अंतराष्ट्रीय दबाव के समक्ष न झुकते हुए भारत ने दो और परमाणु विस्फोट किये. परीक्षण अब प्रयोगशाला में संभव. अमेरिका ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये.
2001 प्रसिद्ध उपन्यासकार आर. के.नारायण का निधन.
2005 केंद्र सरकार ने फूकन आयोग की रिपोर्ट खारिज की.

दैनिक पंचांग

13 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.31 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	07.29 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.42 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.58 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.10 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.36 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.52 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.57 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.43 बजे से
10.30 से		मीन	02.16 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	03.47 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 133 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 17.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 18.48 बजे को समाप्त।
योग वज्र 15.41 बजे को समाप्त।
करण बव 06.15 बजे, बालव 17.28 बजे तदनन्तर कौलव 04.30 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 20'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871247
जूलियन दिन 2459712.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल
तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत, परशुराम द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7284

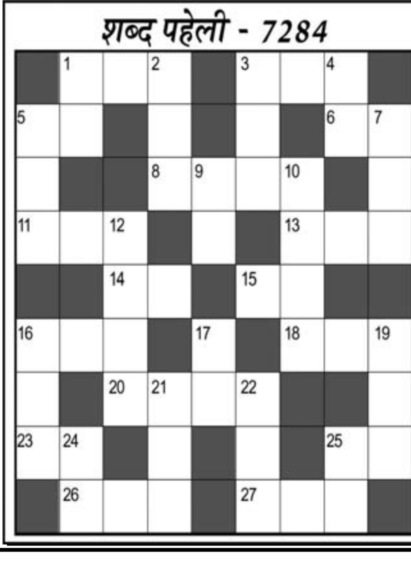

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
3.ध्वज,झंडा-3
5.माहिर,होशियार-2
6.बेल,लतिका-2
8.अस्वीकृत करना-4
11.अदृश्य-3
13.फटकार,धिक्कार-3
14.अधर,होठ-2
15.सलाह,सुझाव-2
16.आश्रय-3
18.अनुमान,अंदाज-3
20.आलता,माहुर-4
23.नासिका-2
25.रहस्य-2
26.रेखा,लाइनू-3
27.परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे
1.लाख,सौ हजार-2
2.बारीक,सूक्ष्म-3
3.तीन घंटे का समय-3
4.समय,वक्त-2
5.कोतवाल-3
7.बल,जोर,दम-3
9.श्रवणेंद्रिय-2
10.जो लायक न हो-4
12.कृष्ण के बड़े भाई-4
16.दर्पण,शीशा-3
17.नौका -2
19.आसान,सरल-3
21.उपस्थित-3
22.रस से भरा-3
24.बीता हुआ दिन-2
25.रजनी,निशा-2

शब्द पहेली -7283 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

व्यंग्य : तुम्हें कोई और देखे तो जलता है दिल

ये जलने जलाने का रोग सदियों पुराना है। राजा दशरथ की मंझली रानी कैकैई को यदि बड़ी रानी कौशिल्या से जलन नहीं होती तो भगवान राम को चौदह बरस का वनवास नहीं होता। महाभारत के तो मूल में ही जलन है। द्रोपदी दुर्योधन को छोड़ पांडवों की पत्नी कैसे बन गई, दुर्योधन के इसी जलन ने पूरा महाभारत करवा दिया। बच्चों के पास चाहे उनके अपने जितने भी खिलौने हो, पर दूसरों के खिलौने को देखकर हमेशा जलन होती है, काश ये गुडिया मेरे पास होती ... ! स्कूल पंहुचे तो दूसरे प्रकार की जलन, अरे उसके पापा उसे रोज छोड़ने आते हैं, मुझे तो स्कूल वेन में आना पड़ता है ...! जलन की भावना महिलाओं और युवतियों में कुछ ज्यादा मानी जाती है, अरे उसके तीन-तीन ब्वायफ्रेण्ड हैं ... उसे तो रोज कोई न कोई मूवी दिखाने वाला मिल जाता है ... फोकट में कौन दिखाता है, पूरा पैसा वसूल भी कर लेता होगा ... ! अरे उसकी साड़ी का कलेक्शन देखे हो, जब भी घर से निकलती है नई साड़ी ही पहने होती है। महिलाओं की आधे से ज्यादा शापिंग तो खुद के लिए कम और पड़ोसन को जलाने के लिए ज्यादा होता है। और तो और टीवी में चलने वाले विज्ञापन भी जलन को ही बढ़ावा देते हैं, उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे है ...!

आजकल सूरज भी लोगों को जलाने में पीछे नहीं है तभी तो आसमान से आग उगल रहा है, तुम्हारें यहां टेम्परेचर कितना है 42, मेरे यहां तो 45 है रे, कूलर क्या आजकल तो एसी भी कोई काम का नहीं रहा। ऊपर से बिजली संकट, जब मरजी आए आई जब मरजी आई चली गई ! ऐसा लगता है जैसे सरकार फोकट में बिजली बांट रही है, हम तो कभी बिजली बिल पटाते ही नहीं। लोगों को जलाने में सरकार भी कोई कसर नहीं छोड़ रही, मंहगाई आसमान छू रही है। पेट्रोल 110 पार कर गया है तो वहीं रसोई गैस के दाम सात साल में ही दोगुने से ज्यादा हो गए हैं। दो सप्ताह पहले दस रूपए किलो में बिकने वाला टमाटर पचास पार होकर अलग अपना मुंह लाल किए हुए है। सरकार को पता है लोगों के किस जलन को कैसे कम किया जा सकता है इसलिए मंहगाई के जलन पर मरहम लगाने हनुमान चालिसा और लाउडीस्पीकर रूपी एसी चल रही है। अब जनता भी अपना जलन भूल सरकार के साथ है। उसे भी लगने लगा है रूस ने यदि यूक्रेन पर आक्रमण नहीं किया होता तो देश में मंहगाई बिल्कुल नहीं बढ़ती। जलते तो पुरूष भी कम नहीं हैं, पर उनकी जलन महिलाओं से कुछ अलग प्रकार की होती है। मेरे एक मित्र ने अपने एक रिश्तेदार के घर जाना छोड़ दिया है, उसके रिश्तेदार ने उनसे अच्छा मकान जो बनवा लिया है। मेरे एक अन्य मित्र को बाकी मित्रों की बीबीयों को देख जलन होता है, उसे लगता है भगवान ने उसके सब दोस्तों को उससे ज्यादा सुंदर पत्नी दी है। नया जमाना सोशल मीडिया का है इसलिए मेरी जलन भी कुछ सोशलयाना है, मुझे किसी की डीपी देखकर जलन होती है, वो भी मेरी जलन से वाकिफ है तभी तो कभी कभी दिन में तीन बार बदलने वाली उसकी डीपी पिछले पन्द्रह दिनों से नहीं बदली है, इधर ये दिल जलकर राख तो कब का हो चुका है पर शायद उसे इस शरीर को भी जलकर राख होते हुए देखना है। उसकी जिद भी केन्द्र सरकार की तरह लगती है जो किसी भी सूरत में विपक्ष के आगे झुकने को तैयार नहीं है। उसे तो हमेशा विपक्ष के कहे से उल्टा ही करना है फिर चाहे विपक्ष सही कह रहा हो या गलत। हमारी फिल्मों में केएल सहगल से लेकर मुकेश तक और राजेश खन्ना से लेकर किशोर कुमार तक सब जलते ही रहे हैं। मैं न राजेश खन्ना हूं और न किशोर कुमार फिर भी उसे कहता हूं, तुम्हें कोई और देखे तो जलता है दिल, बड़ी मुश्किलों से फिर सम्हलता है दिल, क्या-क्या जतन करते हैं तुम्हें क्या पता ...! (लेखक- राजेश सिंह क्षत्री / ईएमएस)

खेल - समाचार

भारत की दीक्षा को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण

कैक्सियास डो सुल (ईएमएस)। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर ने बधिर ओलंपिक की गोल्फ प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। दीक्षा ने फाइनल में अमेरिका की एशलिन ग्रेस को हराया। दीक्षा ने इसी के साथ ही बधिर ओलंपिक में यह दूसरा पदक जीता है। इससे पहले उन्होंने साल 2017 में भी बधिर ओलंपिक में रजत पदक जीता था। वह इन खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली गोल्फर बनी हैं। अमेरिका की एशलिन को रजत , वहीं फ्रांस की मार्गो ब्रेजो ने नॉर्वे की आंद्रिया होव्सटीन हेलेगेर्डे को तीसरे प्लेऑफ में हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

दीक्षा ने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया था और वह लेडीज यूरोपीय टूर पर व्यक्तिगत खिताब विजेता रही हैं। वह लेडीज यूरोपीय टूर पर टीम प्रतियोगिता जीतने वाली टीम में भी शामिल रही थीं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम तय समय पर श्रीलंका जाएगी : सीए

मेलबर्न (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि श्रीलंका में जारी तनाव के बाद भी उनकी टीम तय कार्यक्रम के अनुसार अपने दौरे पर जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस दौरे में मेजबान टीम के साथ तीनों प्रारुपों में सीरीज खेलनी है। वहीं इससे पहले श्रीलंकाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे और आर्थिक हालातों के कारण बेकाबू हुई कीमतों को लेकर जारी हिंसा को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अपने नागरिकों को इस देश का दौरा नहीं करने की सलाह दी थी।

गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया को अगले माह जून में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, पांच एक दिवसीय और दो टेस्ट मैच खेलने के लिये श्रीलंका की यात्रा करनी है। इसी समय ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भी श्रीलंका दौरे पर जाएगी। सीए के एक प्रवक्ता ने कहा है कि संघीय सरकार और श्रीलंकाई क्रिकेट के अधिकारियों के साथ उनका संपर्क बना हुआ है। इसके साथ ही खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को भी जानकारी दे दी है कि टीम के रवाना होने में अभी तीन सप्ताह का समय बचा है , इसलिए अभी से कार्यक्रम में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है।

वॉर्नर ने विराट , डीविलियर्स और गेल को पीछे छोड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर ने आईपीएल की पहली 160 पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली, एबी डिविल्यर्स ओर क्रिस गेल जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है। वार्नर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी 160वीं आईपीएल पारी खेली। इसमें उनके नाम 5876 रन हो गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विराट हैं, विराट ने 160 पारियों में 5110 रन बनाए थे।

वहीं सूची में तीसरे नंबर पर डिविलियर्स हैं, इस बल्लेबाज ने पहली 160 आईपीएल पारियों में 4978 रन बनाए थे। वहीं चौथे नंबर पर 4965 रन के साथ गेल और पांचवें नंबर पर 4614 रन के साथ शिखर धवन हैं। वॉर्नर ने 160 पारियों में 42.58 की औसत से रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 55 अर्धशतक लगाये हैं।

पंजाब किंग्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी पक्की करने उतरेगी आरसीबी

मुंबई (ईएमएस)। अपने पहले ही खिताब की तलाश में लगी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां पंजाब किंग्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपना दावा मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। आरसीबी की टीम शुरुआती असफलताओं से उबरकर अब लय में नजर आती है। आरसीबी के पास कप्तान फाफ डुप्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। उसकी ओर से युवा खिलाड़ियों रजत पाटीदार और महिपाल लोमरोर ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले दो मैचों में जिस प्रकार टीम के प्रदर्शन में सुधार आया है उससे वह जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है हालांकि प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली के फार्म में नहीं होने का उसे नुकसान उठाना पड़ेगा।

पिछले मैच में भी विराट खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये थे। ऐसे में अब उनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन रहेगा। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी की ओर से तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और स्पिनर हर्षल पटेल ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अभी तक लय में नहीं आये हैं। मैक्सवेल भी बीच के ओवरों में बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं जबकि स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने अब तक 21 विकेट लिए हैं। आरसीबी के अभी 14 अंक हैं और इस मैच में अगर उसे जीत मिलती है तो उसके 16 अंक हो जाएंगे और उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

वहीं दूसरी ओर पंजाब टीम को शीर्ष चार टीमों में प्रवेश के लिए अपने शेष तीनों मैच जीतने होंगे। उसके अब तक पांच मैचों में जीत से 10 अंक हैं। लीग में उसने अपने पहले मैच में आरसीबी को हराया था जिसका उसे मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। पंजाब की टीम में भी अच्छे खिलाड़ी है पर उसमें निरंतरता की कमी है और यही कारण है कि वह लगातार दो मैच नहीं जीती है। उसके पास बल्लेबाजी में अनुभवी शिखर धवन , कप्तान मयंक अग्रवाल , जॉनी बेयरस्टो जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा लियाम लिविंगस्टोन और जितेश शर्मा भी निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा , संदीप शर्मा के अलावा टीम के पास राहुल चाहर जैसा स्पिनर है। ऑलराउंडर के तौर पर टीम के पास भानुका राजपक्षे हैं।

इस मैच में पंजाब को जीत दर्ज करनी हो तो कप्तान मयंक अग्रवाल को बेहतर प्रदर्शन कर टीम को प्रेरित करना होगा। गेंदबाजी में कैगिसो रबाडा और अर्शदीप सिंह का सामना करना आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : फाफ डुप्लेसी (कप्तान), विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, वानिन्दु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन, मयंक अग्रवाल (कप्तान), अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा, जॉनी बेयरस्टो, राहुल चाहर, हरप्रीत बराड़, शाहरुख खान, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, ईशान पोरेल, लियाम लिविंगस्टोन, ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, राज अंगद बावा, ऋषि धवन, प्रेरक मांकड़, वैभव अरोड़ा, रितिक चटर्जी, बलतेज ढांडा, अंश पटेल, नाथन एलिस, अथर्व ताएदे, भानुका राजपक्षे, बेनी हॉवेल।

इंटर मिलान ने युवेंटस को हराकर इटालियन कप जीता

रोम (ईएमएस)। इवान पेरिसिच के दो गोलों की सहायता से इंटर मिलान ने युवेंटस को 4-2 से हराकर इटालियन कप फुटबॉल खिताब जीत लिया है। इंटर की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले इवान ने अपने दोनो ही गोल अतिरिक्त समय में किये। वहीं इससे पहले मिलान की ओर के हाकेन कलहानोग्लु ने अंतिम क्षणों में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बरबरी पर पहुंचाय था।

इस मैच में मिलन ने निकोला बरेला के छठे मिनट में किये गोल की बदौलत अपनी टीम को 1-0 से से बढ़त बनायी थी पर इसके बाद एलेक्स सैंड्रो ने 50वें मिनट और डूसन व्लाहोविच ने 52वें मिनट में दो गोल कर युवेंटस को बढ़त दिला दी। इस जीत के साथ ही मिलान इस सत्र में दूसरा खिताब जीतने के और करीब पहुंच गयी है। इसके साथ ही वह इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए खिताब की दौड़ में भी बनी है। सेरी ए लीग में अभी एसी मिलान इंटर से उससे केवल दो अंक पीछे है।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंची भारत की निकहत, परवीन और मनीषा

इस्तांबुल (ईएमएस)। भारतीय महिला मुक्केबाज निकहत जरीन (52 किग्रा), परवीन (63 किग्रा) और मनीषा (57 किग्रा) भार वर्ग में अपने-अपने मुकाबले जीतकर इस्तांबुल में जारी आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। जरीन ने शुरूआती मुकाबले में मेक्सिको की हेरेरा अल्वारेज को 5-0 से जबकि परवीन ने युक्रेन की मारिया बोवा को इतने ही अंतर से हराया।

शुरुआती दौर में मनीषा को बाई मिली थी उन्होंने नेपाल की काला थापा को हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं तेलंगाना की जरीन का सामना 2021 एशियाई चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता मंगोलिया की लुटसाइखानी अल्तांतसेतसेग से होगा। परवीन ने विरोधी मुक्केबाज मारिया को लाइट वेल्टर वेट वर्ग के मुकाबले में हुए सर्वसम्मत फैसले में हराया। अब परवीन का सामना अगले दौर में अमेरिका की पूर्व युवा ओलंपिक चैंपियन जजाइरा गोंजालेज से होगा।

मुंबई ने चेन्नई को 5 विकेट से हराया

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल 20-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के एक मैच में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स 16 ओवर में सभी विकेट खोकर केवल 97 रन ही बना सकी। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 14.5 ओवर में 5 विकेट खोकर 103 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली।

98 रन का लक्ष्य मुंबई के लिए उस वक्त थोड़ा कठिन हो गया जब उसके 4 विकेट 33 रन के अंदर गिर गए। मुकेश चौधरी ने ईशान किशन को धोनी के हाथों विकेट के पीछे लपकवा दिया। रोहित शर्मा 14 गेंदों में चार चौकों की सहायता से 18 रन बनाने के बाद सिमरजीत सिंह की गेंद पर धोनी द्वारा कैच कर लिए गये। डेनियल सैम्स मुकेश चौधरी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। ट्रिन्सटन स्टब्स को मुकेश चौधरी ने बिना खाता खोले एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। ऋतिक शौकीन 23 गेंदों में दो चौके की सहायता से 18 रन बनाने के बाद मोइन अली द्वारा बोल्ड कर दिए गए। तिलक वर्मा 30 गेंदों में चार चौके की सहायता से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए मुकेश चौधरी ने तीन सिमरजीत सिंह और मोइन अली ने एक-एक विकेट लिए।

इससे पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 97 रन पर ऑल आउट हो गई। मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर चेन्नई को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। चेन्नई की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। ऋतुराज गायकवाड को डेनियल सैम्स ने ईशान किशन के हाथों 7 रन के स्कोर पर कैच करा दिया। डेविड कॉनवे बिना खाता खोले डेनियल सैम्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। मोईन अली को भी डेनियल सैम्स ने बिना खाता खोले रितिक शौकीन के हाथों कैच करा दिया। रॉबिन उथप्पा 1 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। अंबाती रायडू को 10 रन के स्कोर पर राइली मेरेडिथ ने ईशान किशन के हाथों कैच करा दिया। शिवम दुबे भी राइली मेरेडिथ के शिकार बने। उन्हें 10 रन के स्कोर पर ईशान किशन ने कैच किया। ब्रावो को कुमार कार्तिकेय ने तिलक वर्मा के हाथों कैच करा दिया ब्रावो एक छक्के की सहायता से 12 रन ही बना सके। निचले क्रम के बल्लेबाज कोई खास कमाल नहीं दिखा सके। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 33 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की सहायता से 36 रन बनाकर कुछ संघर्ष करने की कोशिश की। लेकिन उनका साथ किसी ने नहीं दिया। धोनी अंत तक नाबाद रहे।

मुंबई के लिए डेनियल सैम्स ने 3 विकेट लिए। राइली मेरेडिथ और कुमार कार्तिकेय ने दो-दो विकेट लिए। रमनदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह को एक-एक विकेट मिला। अंतिम समाचार मिलने तक मुंबई में भी 34 रन पर 54 विकेट गंवा दिए थे।

नाटो का सदस्य बनेगा फिनलैंड, पुतिन के लिए नई टेंशन

हेल्सिंकी (ईएमएस)। फिनलैंड के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने गुरुवार को कहा कि उनका देश उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने के लिए आवेदन देने का समर्थन करता है, जिससे यूक्रेन में रूस के आक्रमण के बीच नाटो गठबंधन के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रपति सौली नीनिस्टो और प्रधानमंत्री सना मरीन की इस घोषणा का मतलब है कि फिनलैंड ने नाटो की सदस्यता लेने का अब पूरी तरह मन बना लिया है। हालांकि आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से पहले कुछ कार्रवाई अभी बाकी हैं। यह फैसला रूस के लिए चिंताजनक हो सकता है, जो नाटो के पूर्व में विस्तार का विरोध करता आया है। पड़ोसी देश स्वीडन भी आने वाले दिनों में नाटो में शामिल होने पर फैसला कर सकता है। नीनिस्टो और मरीन ने कहा, 'अब जब फैसला करने की घड़ी नजदीक आ गई है, हम संसदीय समूहों और राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए हमारे समान विचार साझा कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, नाटो के सदस्य के तौर पर, फिनलैंड पूरे रक्षा गठबंधन को मजबूत करेगा। फिनलैंड को बिना किसी देरी के नाटो की सदस्यता हासिल करने के लिए आवेदन देना चाहिए।' बयान में कहा गया, 'हम उम्मीद करते हैं कि इस निर्णय को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई आने वाले कुछ दिनों में जल्द से जल्द पूरी की जाएगी।' अगर फिनलैंड नाटो में शामिल होता है, तब रूस से लगने वाली नाटो सीमा दोगुनी से अधिक हो जाएगी। पुतिन यूरोप के इस बदलते सुरक्षा समीकरण का विरोध करते हैं। पिछले साल यूक्रेन ने भी नाटो में शामिल होने की इच्छा जताई थी जिसका परिणाम एक लंबे तनाव के बाद युद्ध के रूप में सभी के सामने आया। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद फिनलैंड और स्वीडन में जनता रातोंरात नाटो सदस्यता के समर्थन में आ गई। दोनों ही देश आधिकारिक गुटनिरपेक्षता के बावजूद पिछले तीन दशक से नाटो के करीबी सहयोगी हैं।

अमेरिका और अफ्रीका को छोड़कर दुनिया के अन्य हिस्सों में कोरोना के मामलों में कमी

जिनेवा (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना को लेकर किए गए अपने नवीनतम आकलन में कहा है कि अमेरिका और अफ्रीका को छोड़कर दुनिया के अन्य हिस्सों में संक्रमण के नए मामलों में कमी आ रही है। विश्व स्वास्थ्य निकाय ने जारी साप्ताहिक रिपोर्ट में कहा कि करीब 35 लाख नए मामले और 25 हजार से अधिक मौतें पूरी दुनिया में दर्ज की गई जो क्रमशः 12 प्रतिशत और 25 प्रतिशत कम है। संयुक्त राष्ट्र के निकाय ने कहा कि संक्रमण के मामलों में मार्च महीने से कमी आनी शुरू हुई।हालांकि, कई देशों ने बड़े पैमाने पर जांच और निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया जिससे मामलों की सटीक जानकारी प्राप्त करना बहुत मुश्किल है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि केवल दो क्षेत्र हैं, जहां पर कोविड-19 के मामले बढ़े हैं। संगठन ने कहा कि अमेरिका में संक्रमण के मामलों में 14 प्रतिशत और अफ्रीका में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में संक्रमण की दर स्थिर है जबकि बाकी सभी स्थानों पर संक्रमण में गिरावट आई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयियस ने कहा था, ''50 से अधिक देशों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि कोरोना वायरस की अस्थिरता को रेखांकित करती है। टेड्रोस ने कहा कि कोरोना के प्रकार जिनमें अत्यधिक संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप शामिल है, की वजह से कई देशों में फिर से मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनमें दक्षिण अफ्रीका शामिल है जहां पर सबसे पहले पिछले साल नवंबर में ओमीक्रोन की पहचान की गई थी। उन्होंने कहा कि जहां पर आबादी के अधिकतर हिस्से में प्रतिरोधक क्षमता पैदा हो गई है वहां मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने या मौत की दर कम है। टेड्रोस ने साथ ही आगाह किया कि ''उन स्थानों के लिए यह गांरटी नहीं है, जहां पर टीकाकरण की दर कम है।'' उन्होंने कहा कि गरीब देशों की महज 16 प्रतिशत आबादी को ही कोरोना रोधी टीके की खुराक लगी है।

गौरतलब है कि गुरुवार को उत्तरी कोरिया ने पहली बार कोरोना की घोषणा की और राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू किया। हालांकि, महामारी के स्तर की तत्काल जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया में महामारी के घातक असर हो सकते हैं क्योंकि वहां पर कमजोर स्वास्थ्य सेवा है। साथ ही देश की 2.6 करोड़ की आबादी में अधिकतर को कोविड-19 रोधी टीके की खुराक नहीं लगी है।

रानिल विक्रमसिंघे होंगे श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री, महिंदा राजपक्षे के देश छोड़ने पर रोक

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के हालात लगातार बेकार होते जा रहे हैं। इसी बीच खबर हैं कि यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) नेता विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री बनाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, विक्रमसिंघे शाम 6 बजकर 30 मिनट पर प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। इसकी जानकारी रानिल विक्रमसिंघे की पार्टी यूएनपी ने साझा की है। साल 2019 में रानिल विक्रमसिंघे ने अपनी ही पार्टी के दबाव में आकर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

बता दें कि रानिल विक्रमसिंघे चार बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और वहां 5वीं बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। 70 के दशक में राजनीति में कदम रखने वाले रानिल विक्रमसिंघे ने 1993 में पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। बता दें कि पहली बार प्रधानमंत्री बनने से पहले रानिल विक्रमसिंघे ने उप विदेश मंत्री, युवा और रोजगार मंत्री समेत कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसके अलावा उन्हें संसद में दो बार विपक्ष का नेता चुना जा चुका है।

संकटग्रस्त श्रीलंका के प्रधानमंत्री बनने की विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने इच्छा जाहिर की है। इसके लिए बकायदा राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को खुला पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। हालांकि राष्ट्रपति राजपक्षे ने रानिल विक्रमसिंघे से बात की थी। बीते दिनों कहा जा रहा था कि महिंदा राजपक्षे पड़ोसी देश भारत भाग गए हैं। हालांकि भारतीय उच्चायोग ने इस तरह की खबरों को फर्जी बताकर इसका खंडन किया था।

ड्रैगन ने रेगिस्तान के अंदर गुपचुप तरीके से किया युद्ध अभ्यास

बीजिंग (ईएमएस)। ताइवान से लेकर लद्दाख तक आंखें दिखा रहे चीनी ड्रैगन ने रेगिस्तान के अंदर गुपचुप तरीके से एयरक्राफ्ट कैरियर को मिसाइलों की बारिश करके तबाह करने का अभ्यास किया है। यह जोरदार अभ्यास चीन के ताकमालकान रेगिस्तान में हुआ है, जो भारतीय सीमा से मात्र 600 किमी की दूरी पर है। माना जा रहा है कि ताइवान पर अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर से मिलने वाली चुनौती को ध्यान में रखते हुए चीन मिसाइल अभ्यास को अंजाम दे रहा है। चीन की नजर हिंद महासागर पर भी है, जहां उसका सीधा मुकाबला भारतीय युद्धपोतों से होगा।

तस्वीरों से खुलासा किया कि चीनी सेना दुश्मन देश के बंदरगाह में खड़े युद्धपोतों को अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों से तबाह करने की ताकत का परीक्षण कर रही है। चीन ने इसके लिए रेगिस्तान के अंदर एयरक्राफ्ट कैरियर टारगेट बनाए हैं जिसे वह मिसाइलों से हमला करके तबाह कर रहा है। इसमें नजर आ रहा है कि कई युद्धपोत बंदरगाह के अंदर खड़े हैं। चीन ने दिसंबर में टारगेट एयरक्राफ्ट कैरियर और युद्धपोतों को बनाया था और उसने फरवरी में इसे एक टेस्ट के जरिए तबाह कर दिया।

चीन के ये लक्ष्य रेगिस्तान में कई जगहों पर मिले हैं। यहां नौसैनिक अड्डे को तबाह करने का अभ्यास किया गया। इस स्थान को दिसंबर 2018 में बनाया गया था। इन स्थानों और वहां पर हुए हमलों को देखकर लग रहा है कि उन्हें मिसाइल हमले के अभ्यास के लिए बनाया गया था। इनदिनों चीन की हाइपरसोनिक एंटीशिप मिसाइलें युद्धपोतों के लिए बड़ा खतरा बन गई हैं। चीन के पास कई हाइपरसोनिक मिसाइलें हैं। चीन की हाइपरसोनिक मिसाइलें दो तरह की हैं। इसमें डीएफ-21डी और डीएफ-26 जमीन आधारित हैं और दूसरी मिसाइल को एच-6 बॉम्बर से दागा जाता है। इसकी पुष्टि हुई है कि टाइप -055 क्लास का रेन्हाई क्लास क्रूजर भी समुद्र में रहते हुए भीषण मिसाइल हमला कर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन लक्ष्यों को बहुत चुनकर बनाया गया है। चीन ने जमीन पर लोहे की चादर डालकर इन लक्ष्यों को बनाया। चीन की कम से कम एंटी शिप मिसाइलें अमेरिका के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

पश्चिम नेपाल के प्रांत में 5.3 की तीव्रता का भूकंप

काठमांडू(ईएमएस)। पड़ोसी देश नेपाल के कम आबादी वाले सुदुर पश्चिम प्रांत में 5.3 तीव्रता का भूकंप का भूकंप आया। इससे जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। सुरखेत स्थित भूकंप केंद्र के अनुसार, भूकंप के झटके पूर्वाह्न 10:18 बजे महसूस किए गए, जिसका केंद्र दारचुला जिले से 30 किलोमीटर दूर भारत में स्थित था। भूकंप के झटके दारचुला, बजहांग और दादेलधुरा जिलों में भी महसूस किए गए। इससे संपत्ति के नुकसान होने या किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

इजराइल के सहयोग से 75 भारतीय गांवों का होगा कायापलट

यरुशलम (ईएमएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भारत-इजराइल सहयोग को ''अगले स्तर''पर ले जाकर देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर 75 भारतीय गांवों का इजराइली सहयोग से कायापलट होगा। आठ मई से चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर इजराइल पहुंचे तोमर ने इजराइल की संसद में अपने इजराइली समकक्ष ओडेड फॉरेर से मुलाकात की। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों, क्षमता निर्माण, ज्ञान के आदान-प्रदान और कृषि, जल प्रबंधन, पर्यावरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। तोमर ने कहा कि चूंकि भारत और इजराइल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 वर्ष पूरा होने का जश्न मना रहे है, तब यह द्विपक्षीय साझेदारी ''पारस्परिक यात्राओं और अनुभवों को साझा'' करने से और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भारत इस साल अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, इसके बाद यह फैसला हुआ हैं, कि हम अपने 75 गांवों को इजराइली सहयोग से नया रूप देंगे तथा इसके बाद और 75 गांवों की कायापलट करने वाले हैं।

फॉरेर ने भारत के विभिन्न हिस्सों में इजराइल द्वारा स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों को ''अगले स्तर'' तक ले जाने की इच्छा व्यक्त की। अभी भारत में 29 पूरी तरह से संचालित उत्कृष्टता केंद्र हैं, जो किसानों की उपज बढ़ाने के लिए कृषि क्षेत्र में नयी प्रौद्योगिकियों पर अहम सूचना उपलब्ध करा रहे हैं। इजराइली कृषि मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को भी निकट भविष्य में मजबूती मिलेगी। भारत और इजराइल इस साल जून के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पूरी करने पर राजी हो गए हैं। तोमर के नेतृत्व में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि और बागवानी के क्षेत्र में प्रमुख संस्थानों और प्रौद्योगिकी कंपनियों से व्यापक चर्चा की। तोमर ने कई कंपनियों को भारत में काम करने का निमंत्रण दिया। मंत्री ने नेगेव रेगिस्तान इलाके में भारतीय सब्जियां उगा रहे भारतीय मूल के किसान शारोन चेरी के एक खेत का भी दौरा किया।

खाबरोवस्क शहर में मिलिट्री अड्डे पर धमाके की खबर

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के खाबरोवस्क शहर में मिलिट्री अड्डे पर धमाके की खबर है। धमाके में व्यक्ति की मौत होने की सूचना हैं, जबकि कई अन्य के घायल होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात मिलिट्री अड्डे पर धमाका हुआ। फिलहाल, धमाका किन कारणों से हुआ है, ये सामने नहीं आ सका है।

बता दें कि इसके पहले गुरुवार को भी रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन की ओर से उसपर हमला हुआ है, जिसमें एक रूसी नागरिक की मौत हो गई है, वहीं छह लोग जख्मी हैं। जख्मी लोगों में एक नाबालिग भी शामिल है।

यूक्रेन ने जो बम फेंके वे रूस के बेलगोरोड इलाके के गांव में गिरे। गांव में करीब 600 लोग रहते हैं। यह यूक्रेन की सीमा से करीब 11 किलोमीटर दूर है। फिलहाल रूसी नागरिकों को सुरक्षित जगह भेजा जा रहा है, क्योंकि और हमले होने की आशंका है।

बता दें कि यूक्रेन से युद्ध के बीच पिछले हफ्ते भी रूस में दो बड़े धमाकों की खबर सामने आई थी। रूसी मीडिया के मुताबिक, रूस के बेलगोरोड में ये दो धमाके हुए। बेलगोरोड के गवर्नर ने इन धमाकों की पुष्टि की थी।

दरअसल, बेलगोरोड यूक्रेन की सीमा से लगा हुआ रूसी शहर है। यह खारकीव से मात्र 40 किमी दूर है। यूक्रेन से युद्ध के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रूस ने बेलगोरोड में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। हालांकि, इसके बाद भी बेलगोरोड में धमाकों की खबर सामने आई थी। हालांकि, इन धमाकों का यूक्रेन युद्ध से संबंध था या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हुई थी।

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध लगातार जारी है। हालांकि, यूक्रेन ने भी कुछ हद तक रूसी ठिकानों को निशाना बनाया है। हाल ही में यूक्रेन के हमले में ब्लैक सी में तैनात रूसी मिसाइल क्रूजर तबाह हो गया था। स्लावा क्लास मिसाइल क्रूजर 1979 में लांच किया गया था। इसमें 16 एंटी शिप मिसाइल और कई एयर डिफेंस मिसाइल, टॉरपीडोज और गन तैनात थे।

हिंदुत्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का अमेरिकी सांसदों ने किया अवलोकन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के कई सांसदों ने हिंदुत्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस सप्ताह यूएस कैपिटोल में हिंदुत्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाली अपनी तरह की पहली प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस प्रदर्शनी में योग, आयुर्वेद, धर्म, गणित, वास्तुकला, कला, विज्ञान और वर्तमान दौर में हिंदुत्व की मौजूदगी जैसे व्यापक विषयों को तलाशने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, 'दर्शन- हिंदू सभ्यता की झलक' नाम की यह प्रदर्शनी एक साल लंबे चले देशव्यापी हिंदू धर्म जागरूकता अभियान के तहत 10 और 11 मई को यूएस कैपिटल में आयोजित की गयी। सीनेटर माइक ब्राउन ने कहा, 'मैं हिंदू संस्कृति की सराहना करता हूं कि क्योंकि यह एक उद्यमी संस्कृति है। इस दुनिया में हम जो करते हैं, उसकी जड़ें काफी हद तक इसमें हैं। मैं इसे जितना देख रहा हूं, उसके बारे में उतना अधिक जान रहा हूं।' अमेरिकी संसद के 32 कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने भी हिंदू परंपराओं और संस्कृति के बारे में और अधिक जानने के लिए प्रदर्शनी का दौरा किया।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,158 अंक टूटा

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी जबरदस्त गिरावट रही। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार टूटा है । दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,158.08 अंक करीब 2.14 फीसदी नीचे आकर 52,930.31 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान यह एक समय 1,386.09 अंक तक फिसलकर 52,702.30 अंक के स्तर तक आ गया था। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 359.10 अंक तकरीबन 2.22 फीसदी फिसलकर 15,808 अंक पर बंद हुआ।

इससे पहले गत दिवस सेंसेक्स 276.46 अंक टूटकर 54088.39 पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 72.95 अंक गिरकर 16167.10 के स्तर पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफ़सी बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी, टाइटन, एनटीपीसी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर नुकसान में रहे जबकि दूसरी ओर केवल विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों को लाभ हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट का सबसे बड़ा कारण दुनिया भर में मुद्रास्फीति हावी होना है क्योंकि अप्रैल के मुद्रास्फीति और मार्च के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों की घोषणा से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं।

5जी सेवाएं अगस्त-सितंबर में हो सकती है शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में 5जी सेवाओं के अगस्त-सितंबर से शुरू होने की उम्मीद है। स्पेक्ट्रम की नीलामी जून और जुलाई के बीच हो सकती है। जानकारी के मुता??बिक 5जी के लिए स्पेक्ट्रम 20 साल या 30 साल के लिए दिया जाए, यह मुद्दा अभी खुला है। सूत्रों ने कहा कि निजी दूरसंचार कंपनियों के लिए भी 5जी प्रौद्योगिकी आकर्षण और आर्थिक रूप से व्यावहारिक विकल्प होगी।

विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भाग लेंगे सीएम रेडडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भाग लेने वाले हैं। यह बैठक महीने के अंत में स्विट्जरलैंड के दावोस में हो रही है। राज्य सरकार ने कहा कि सीएम रेड्डी अपनी यात्रा के दौरान निवेश के विभिन्न अवसरों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की संभावनाएं तलाशने वाले हैं। विश्व आर्थिक मंच का शिखर सम्मेलन 22-26 मई तक आयोजित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने कहा कि रेड्डी आंध्र प्रदेश की वृद्धि यात्रा को इस वैश्विक मंच पर ले जाने की योजना बना रहे हैं। इसके तहत पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के उपायों के बारे में बताया जाएगा।

मॉर्गन स्टेनली ने 2022-23 के लिए भारत के वृद्धि दर अनुमान घटाया

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 0.3 प्रतिशत घटाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही ब्रोकरेज कंपनी ने मुद्रास्फीति के भविष्य में बढ़ने की भी आशंका जताई है। मॉर्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रह सकती है। इससे पहले उसने वृद्धि दर के 7.9 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया था।

वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ब्रोकरेज कंपनी ने भारत की वृद्धि दर के अपने अनुमान को घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले सात प्रतिशत था।

इन दिनों चुप्पी साधकर बैठा हुआ है श्रीलंका को बर्बाद करने वाला चीन

- श्रीलंका में आपातकाल के ऐलान के बावजूद सरकार विरोधी प्रदर्शन चरम पर

बीजिंग (ईएमएस)। अपने कर्ज के जाल में फांसकर बर्बाद करने वाला चीन इन दिनों चुप्पी साधकर बैठा हुआ है। श्रीलंका आजादी के बाद के सबसे भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि लोगों ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के घर को जला दिया है। इतना ही नहीं, पूरे श्रीलंका में आपातकाल के ऐलान के बावजूद सरकार विरोधी प्रदर्शन चरम पर हैं। लोग इस संकट के लिए महिंदा राजपक्षे के नेतृत्व को जिम्मेदार बता रहे हैं। हालांकि, श्रीलंका को इस हालात तक पहुंचाने में चीन का भी कम हाथ नहीं है। इसके बावजूद संकट में फंसे श्रीलंकाई लोगों की मदद करना तो दूर चीन ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। चीन ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे पर टिप्पणी करने से बुधवार को इनकार कर दिया लेकिन इस संकट से निपटने के लिए सरकार और विपक्षी दलों से साथ आने का आह्वान किया है। बढ़ते प्रदर्शन के बाद राजपक्षे के इस्तीफे के सवाल से बचते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने मीडिया ब्रीफिंग में यहां कहा ?कि श्रीलंका में ताज़ा घटनाक्रम हमारे संज्ञान में है।

उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि श्रीलंका की सरकार के साथ-साथ देश के विपक्षी दल अपने देश के मूल हितों को ध्यान में रखते हुए एकजुट रहेंगे और जल्द से जल्द देश को आर्थिक एवं राजनीतिक अस्थिरता से बचाएंगे। राजपक्षे ने आर्थिक संकट के बीच सोमवार को इस्तीफा दे दिया। इससे कुछ घंटों पहले उनके समर्थकों ने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हमले किए थे। इसके बाद राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू लगाना पड़ा था और सेना को राजधानी कोलंबो में तैनात करना पड़ा था। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे बुधवार को सत्तारूढ़ दल के असंतुष्टों और मुख्य विपक्षी एसजेबी से बातचीत करेंगे ताकि महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद राजनीतिक गतिरोध को खत्म किया जा सके। पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को चीन में काफी पसंद किया जाता है, क्योंकि उन्होंने भारत की सुरक्षा चिंताओं, अमेरिकी आलोचना और बीजिंग की ऋण के जाल में फंसाने वाली कूटनीति पर चेतावनी की उपेक्षा करते हुए द्वीप राष्ट्र में बड़े पैमाने पर चीनी निवेश को बढ़ावा दिया। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने जनवरी में महिंदा राजपक्षे के साथ कोलंबो में अपनी मुलाकात के दौरान उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि आप चीन के लोगों के पुराने दोस्त हैं। आप छह बार चीन की यात्रा पर आए हैं। हम इस विशेष मित्रता को प्रिय मानते हैं और यह कहानी चीन-श्रीलंका संबंधों के इतिहास में दर्ज होगी। चीन के सरकारी मीडिया के मुताबिक श्रीलंका पर 51 अरब डॉलर का कर्ज है जिसमें से 10 फीसदी चीन का है।

उत्तर कोरिया में पहली बार फूटा कोरोना बम!

- एक भी शख्स को नहीं लगा है टीका, फुस्स निकला जीरो कोविड केस का दावा

प्योंगयांग (ईएमएस)। जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी तब उत्तर कोरिया जीरो कोविड केस का दावा कर रहा था। महामारी की त्रासदी से खुद को सुरक्षित बताने वाले देश से अब प्रकोप की खबरें आ रही हैं। गुरुवार को स्थानीय सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने अपनी पहली कोरोना लहर की पुष्टि की है। इससे एक भयानक मानवीय संकट का खतरा पैदा हो गया है क्योंकि उत्तर कोरिया उन देशों में शामिल है जहां अभी तक टीकाकरण शुरू नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने प्योंगयांग के लोगों में कोरोना वेरिएंट ओमीक्रोन के बीए।2 सब-वेरिएंट का पता लगाया है। हालांकि मामलों की संख्या अभी उजागर नहीं की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि हमारे इमरजेंसी क्वारंटीन फ्रंट में सेंध के बाद देश में सबसे बड़ा आपातकालीन संकट खड़ा हो गया है। इस फ्रंट ने फरवरी 2020 के बाद से दो साल तीन महीने तक लोगों को सुरक्षित रखा। उत्तर कोरिया ने जनवरी 2020 में ही अपनी सीमाएं बंद कर दी थीं और अब तक शून्य कोविड केस दर्ज करने वाले देशों में शामिल है। चीन के साथ विशालकाय भूमि सीमा साझा करने वाले उत्तर कोरिया के दावे पर एक्सपर्ट अक्सर सवाल उठाते रहे हैं।

मेडिकल अधिकारी चेतावनी दे चुके हैं कि उत्तर कोरिया संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवेक्स की ओर से वैक्सीन की खेप को लगातार ठुकरा रहा है जिसके चलते भविष्य में उसे गंभीर कोरोना वायरस प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन की तानाशाही के चलते अलग-थलग देश बड़े पैमाने पर कुपोषण और बेहद लचर हेल्थ सिस्टम का सामना कर रहा है। महामारी से पहले, संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरिया के एक चौथाई से अधिक लोग कुपोषण का शिकार हैं। कई बार खबरों में दावा किया जा चुका है कि उत्तर कोरिया में लोग भूख और गरीब के चलते आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो चुके हैं।

बैंकों में 20 लाख जमा करने या निकालने पैन या आधार देना जरूरी हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब सरकार ने बैंकों में पैसा जमा कराने और निकालने के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब बैंकों में 20 लाख रुपए से ज्यादा की रकम जमा करने या निकालने के लिए पैन या आधार देना अनिवार्य कर दिया है। सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इन नियमों को लागू कर दिया है। इन नियमों का उद्देश्य भी ऐसे लोगों के फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन को ट्रैक करना है, जिनके पास अभी तक परमानेंट अकाउंट नंबर (पीएएन) नहीं है । एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आयकर (15वां संशोधन) नियम, 2022, के तहत नए नियम बनाए हैं। इन नए नियमों के लागू होने के बाद अब अगर कोई व्यक्ति किसी बैंकिंग कंपनी, सहकारी बैंक या डाकघर में एक या एक से अधिक खातों में एक वित्तीय वर्ष में कुल 20 लाख रुपए या उससे अधिक राशि जमा करता है तो उसे पैन या आधार कार्ड देना होगा। इसी तरह अगर कोई व्यक्ति किसी बैंकिंग कंपनी, सहकारी बैंक या डाकघर एक या एक से अधिक खातों में से एक वित्तीय वर्ष में कुल 20 लाख रुपए या उससे अधिक राशि निकलवाता है तो उसे पैन या आधार कार्ड देना होगा। यहीं नहीं, अब बिना पैन या आधार कार्ड के किसी बैंकिंग कंपनी, सहकारी बैंक या डाकघर में बिना पैन और आधार के करंट या कैश क्रेडिट अकाउंट नहीं खुलवा पाएगा। जानकारी के मुता?बिक सरकार अपने टैक्सपेयर बेस को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसलिए सरकार ने अब ऐसे लोगों को टैक्स दायरे में लाने के लिए नए नियम बनाए हैं जो बड़े ट्रांजेक्शन तो करते हैं, पर उनके पास पैन कार्ड नहीं है। बड़े ट्रांजेक्शन करने वाले लोग जब एक बार पैन उपलब्ध करा देंगे तो उनकी ट्रांजेक्शन को ट्रैक करना आसान हो जाएगा।

पाकिस्तान में मंदिर पर हमले के मामले में 22 को सजा, 62 आरोपी बरी

लाहौर (ईएमएएस)। पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने पिछले साल पंजाब प्रांत में एक हिंदू मंदिर पर हमला करने के मामले में 22 व्यक्तियों को पांच-पांच साल जेल की सजा सुनाई। लाहौर से करीब 590 किलोमीटर दूर रहीम यार खान जिले के भोंग शहर स्थित गणेश मंदिर पर जुलाई 2021 में सैकड़ों लोगों ने हमला कर दिया था। आठ वर्षीय एक हिंदू लड़के द्वारा कथित रूप से एक मदरसे को अपवित्र करने की प्रतिक्रिया में मंदिर पर हमला किया गया था। इस मामले में गिरफ्तार 84 संदिग्धों के खिलाफ सुनवाई पिछले साल सितंबर में शुरू हुई थी और यह सुनवाई पिछले हफ्ते पूरी हुई थी। अदालत के एक अधिकारी ने बताया? ?कि आतंकवाद रोधी अदालत (बहावलपुर) के न्यायाधीश नासीर हुसैन ने फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने 22 संदिग्धों को पांच-पांच वर्ष जेल की सज़ा सुनाई और 62 अन्य व्यक्तियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। इससे पहले पाकिस्तान की संसद ने भी मामले में एक प्रस्ताव पारित करके मंदिर पर किए गए हमले की निंदा की थी। वहीं अदालत के आदेश पर सरकार ने संदिग्धों से जुर्माना वसूल कर मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था।

जीरो कोविड पॉलिसी छोड़ने से चीन में आ सकती है कोरोना की सुनामी, होंगी 16 लाख मौतें

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना से हाहाकार मचा हुआ है। चीन की सख्त जीरो कोविड रणनीति के तहत ओमिक्रॉन का प्रसार रोकने की कोशिश की जा रही है। चीन की सख्त 'जीरो-कोविड' रणनीति के तहत सार्स-कोव-2 वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के प्रसार पर लगाम लगाने की कोशिशों में जुटे शंघाई में रक्षात्मक सूट पहनी टीमें कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के घर पहुंचकर रोगाणुनाशकों का छिड़काव कर रही हैं।

शंघाई के फुडन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार अगर सरकार लंबे समय से चली आ रही कोविड ज़ीरो नीति को छोड़ देती है और अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वेरिएंट को अनियंत्रित फैलने देती है, तो चीन को कोरोना वायरस संक्रमण की सुनामी आ सकती है। जर्नल नेचर में प्रकाशित पीयर-रिव्यू अध्ययन में पाया गया कि चीन के मार्च टीकाकरण अभियान से इम्यूनिटी स्तर ओमिक्रॉन लहर को रोकने के लिए अपर्याप्त होगा।

इसके साथ ही जो बुजुर्गों और उनके बीच कम वैक्सीन दरों को देखते हुए भी इसका खतरा बना रहेगा। अध्ययन में भविष्यवाणी की गई है कि अगर सरकार प्रतिबंध हटाती है तो कोविड-19 के ओमिक्रॉन वेरिएंट में 112.2 मिलियन रोग सूचक मामले, 5.1 मिलियन अस्पताल में भर्ती और 1.6 मिलियन मौतें हो सकती हैं। बता दें कि शंघाई में सोमवार को रोजाना दर्ज होने वाले नए मामलों की संख्या 3,000 के आसपास पहुंच गई जो मध्य अप्रैल में प्रतिदिन सामने आ रहे औसतन 26,000 मामलों से कहीं कम है। शहर में कोविड-19 से छह और मरीजों की जान जाने से वहां संक्रमण से अब तक होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़कर 553 पर पहुंच गया।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात ने वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाओं का सुदृढ़ कार्यान्वयन किया है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पदचिह्नों पर चलते हुए गुजरात में अंत्योदय फला-फूला है। गुजरात ने वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने लोकहित तथा लोक कल्याणकारी योजनाओं में आम आदमी, ग़रीब, वंचितों को ध्यान में रखते हुए सुशासन की दिशा को अधिक मज़बूत किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्च्युअली उपस्थिति में भरुच में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि छोटे से छोटे आदमी, कमज़ोर समान गंगा स्वरूपा बहनों, निराधारों, वंचितों को सामने से चलकर योजना का लाभ देने के लिए भरूच ने 'उत्कर्ष पहल' द्वारा देश का मार्गदर्शन किया है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से राष्ट्र को संबोधन करते हुए सरकारी योजना का लाभ सुदूरवर्ती क्षेत्र के सभी लोगों तक पहुँचाने का आह्वान किया था। भरूच ज़िला प्रशासन ने इस आह्वान का स्वागत करते हुए ज़िले के कोने-कोने से लाभार्थियों को मात्र 3 महीने में भी खोजकर उन सभी लोगों तक लाभ पहुँचाकर 'घर बैठे गंगा आई' कहावत को सही अर्थ में सार्थक करके दिखाया है। उन्होंने यह भी कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में सरकार ने सभी वर्ग के लोगों की चिंता की है। जन-धन से बैंक खाता, उज्ज्वला से गैस कनेक्शन देकर बहनों को धुएं से मुक्ति, उजाला द्वारा बिजली, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना द्वारा ग़रीब वर्ग के लोगों को 5 लाख रूपए का केशलेस स्वास्थ्य सेवा, कोरोना के दौरान ग़रीबों को निःशुल्क अनाज तथा सभी को निःशुल्क टीकाकरण, विधवा, निराधार तथा दिव्यांगों को योजनागत सहायता तथा लाभ देकर आत्मनिर्भर किया है। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि गंगा स्वरूपा महिलाओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाकर 1250 रुपए कर दिया गया है। इतना ही नहीं इस योजना में लाभार्थी का पुत्र 21 वर्ष होने पर उन्हें सहायता नहीं मिलती थी, किंतु इस बाधा को अब हटा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप लाभार्थियों की जो संख्या 3.70 लाख थी, वह बढ़कर 11.36 लाख तक पहुँच गई है। अब तक इस योजना के अंतर्गत 1530.76 करोड़ रुपए की सहायता चुकाई जा चुकी है। राज्य सरकार वृद्धों, दिव्यांगों का सहारा बनी है, जिसकी भूमिका बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 130 लाख वृद्धों तथा दिव्यांगों को 103 करोड़ रुपए पेंशन सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 8.90 लाख परिवारों को 'घर का घर' दिया गया है। राज्य में 1.68 करोड़ से अधिक लोगों का जन-धन खाता खोला गया है, जिसमें 7400 करोड़ रुपए की बचत जमा हुई है। एक-एक नागरिक का पता लागकर सरकारी लाभ दिया जा रहा है। इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में गुजरात में एक सर्वांगीण, इन्क्लूसिव इकोसिस्टम खड़ी हुई है। राज्य में ग़रीब कल्याण मेलों के माध्यम से 1.47 करोड़ रुपए लाभार्थियों को हाथो हाथ 26,676 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने मानवता का दृष्टिकोण दिखाते हुए जनकल्याण का कर्तव्य पूरी निष्ठा से निभाया है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' तथा सबका प्रयास के कार्यमंत्र को अपनाया है। यह बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी भी जो लोग सरकारी सेवा के लाभों से वंचित रह जा रहे हैं, ऐसे लोगों के लिए 'उत्कर्ष योजना' की पहल की गई है। पटेल ने कहा प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के विचार को मूर्तिमंत करने के लिए सरकार की कार्य पद्धति में तकनीकी का विनियोग करना आवश्यक है। भरूच ज़िला डिजिटल इंडिया के निर्माण की ओर आगे बढ़ते हुए 'ई-समन्वय तथा विज़िटर्स मैनेजमेंट सिस्टम' लोगों के लिए समर्पित कर रहा है, जो जन प्रतिनिधियों तथा नागरिकों की समस्या के निराकरण में अमृत अभिगम बनेगा। यह अभिगम अन्य लोगों के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर भरूच की दूध धारा डेयरी द्वारा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के हाथों ज़िले के 5400 कुपोषित बच्चों को सुपोषित बनाने के लिए चना, मूंग तथ दूध का वितरण किया गया।

प्रभारी मंत्री पूर्णेश मोदी ने कहा कि राज्य 'प्रजा के सुख से सुखी तथा प्रजा के दुःख से दुःखी' होता है। इस सरकार द्वारा सुशासन की पहल की गई है। लोगों की आशा तथा अपेक्षा को पूर्ण करने का काम तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा कई तरह की योजनाएँ लागू करके समाज के शोषितों, पीडितों, ग़रीबों, वंचितों का जीवन सुशासन द्वारा अमृतमय बनाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप पमार ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्त्व में सुदूरवर्ती लोगों की चिंता करते हुए अंत्योदय से सर्वोदय की ओर जा रहा है। उन्होंने कश्मीर से आर्टिकल 370 को खत्म कर सही मायने में देश को एकजुट किया है। रामजन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण कर लोक आस्था को सम्मानित किया है।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री मनीषा वकील ने कहा कि 'उत्कर्ष पहल' के अंतर्गत केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा महिला उत्कर्ष योजनाएँ लाभार्थियों के घर तक पहुँचाकर प्रशासन द्वारा सराहनीय प्रयत्न किया गया है। सरकार द्वारा योजनाएँ तो बनाई जाती है, किन्तु उसका लाभ लाभार्थी तक पहुँचे यह बहुत ही आवश्यक है। यह कार्य भरूच में किया गया है।

उप मुख्य दंडक दुष्यंत पटेल ने कहा कि ज़िला प्रशासन द्वारा 'उत्कर्ष पहल' के अंतर्गत 13 हज़ार लाभार्थियों को लाभ देने का भगीरथ कार्य किया गया है। जो सराहनीय है। वर्तमान सरकार सुदूरवर्ती लोगों की सही मायनों में चिंता करने वाली सरकार है। कोरोना महामारी में भी केंद्र तथा राज्य सरकार ने ग़रीबों को निःशुल्क अनाज वितरण करने के साथ लोगों को मुफ्त में टीका भी लगाया है।

भरूच के सांसद मनसुख वसावा ने कहा कि राज्य सरकार गुजरात की प्रजा के हित में लगातार कार्य कर रही है। भरूच ज़िले को केंद्र तथा राज्य सरकार की बहुविद् योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भरूच ज़िले का सर्वांगीण विकास हो रहा है। 'उत्कर्ष पहल' योजना में भरूच ज़िले के लाभार्थियों को शामिल करने के लिए भरूच ज़िला प्रशासन को बधाई दी।

कक्षा 12 विज्ञान संकाय के नतीजों का ऐलान, 196 विद्यार्थियों को मिला ए-1 ग्रेड

- अमरेली का लाठी 96.12 प्रतिशत परिणाम के साथ अव्वल, दाहोद जिले का 40.16 प्रतिशत से भी कम

अहमदाबाद (ईएमएस) मार्च 2022 में ली गई कक्षा 12 विज्ञान संकाय और गुजकेट की परीक्षा के नतीजों की आज घोषणा की गई। राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने गांधीनगर में परीक्षा के नतीजों का ऐलान करते हुए बताया कि इस वर्ष कक्षा 12 के विज्ञान संकाय का परिणाम 72.02 प्रतिशत आया है। जिसमें 72.05 प्रतिशत छात्राएं और 72 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी माध्यम का 72.57 प्रतिशत और गुजराती माध्यम का 72.04 प्रतिशत नतीजा आया है। कक्षा 12 विज्ञान संकाय और गुजकेट की परीक्षा में उत्तीर्ण होनेवाले छात्र-छात्राओं को बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि परीक्षा के लिए विद्यार्थियों के साथ ही उनके अभिभावक और शिक्षक भी काफी मेहनत करते हैं। इन सभी की संयुक्त मेहनत से विद्यार्थी सफलता प्राप्त करते हैं। कक्षा 12 विज्ञान संकाय की परीक्षा जीवन की इकलौती और अंतिम परीक्षा नहीं होती। इसमें असफल होनेवाले विद्यार्थी भी अपने जीवन में अन्य क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर उज्जवल भविष्य बनाते हैं, ऐसे अनेक उदाहरण हैं। शिक्षा मंत्री ने कक्षा 12 की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए विद्यार्थी और उनके अभिभावकों को निराश हुए बगैर पुनः मेहनत कर सफलता प्राप्त करने का अनुरोध किया। जीतु वाघाणी ने बताया कि 100 प्रतिशत सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में बोर्ड की परीक्षा लेने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है। मार्च 2022 विज्ञान संकाय की परीक्षा में 140 केन्द्र पर 107663 विद्यार्थी दर्ज हुए थे। इनमें से 106347 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिसमें 68681 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्यभर में राजकोट जिला 85.78 प्रतिशत नतीजों के साथ अव्वल रहा है। जबकि 40.19 प्रतिशत परिणाम दाहोद जिले का आया है। राज्य में अमरेली जिले का लाठी केन्द्र 96.12 प्रतिशत के प्रथम और दाहोद जिले का लीमखेडा केन्द्र का परिणाम 33.33 प्रतिशत रहा। राज्य की 100 प्रतिशत की 64 और 10 प्रतिशत से भी कम परिणाम प्राप्त करने वाली स्कूलों की संख्या 61 है। राज्यभर में 196 विद्यार्थियों ने ए-1 ग्रेड और 3303 विद्यार्थियों को ए-2 ग्रेड मिला है। शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने कक्षा 12 विज्ञान संकाय के साथ गुजकेट के नतीजों का भी ऐलान किया। कक्षा 12 विज्ञान के बाद डिग्री इंजीनियरींग समेत डिग्री/डिप्लोमा फार्मसी में प्रवेश पाने के लिए गुजकेट की परीक्षा देना अनिवार्य है। गुजकेट 2022 की परीक्षा सायंस के ए, बी और एबी ग्रुप के विद्यार्थियों ने दी थी। जिसमें ए ग्रेड का 78.40 प्रतिशत, बी ग्रेड का 68.58 प्रतिशत और एबी ग्रेड का 78.38 प्रतिशत परिणाम आया है।

उपलेटा के वाडासडा के निकट कार-बाइक के बीच दुर्घटना में दो युवकों की मौत

राजकोट (ईएमएस) जिले के वाडासडा गांव चौराहे के निकट कार और मोटर साइकिल के बीच हुई दुर्घटना में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले की उपलेटा तहसील के वाडासडा गांव सर्कल के निकट वेरावल पासिंग की आई 20 कार ने मोटर साइकिल सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक सवार सामत उर्फ भोलो धनजीभाई चौहाण नामक एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल दो युवकों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां महेश उर्फ मनोज धनजीभाई चौहाण ने भी दम तोड़ दिया। नगीन लालजीभाई उर्फ लालाभाई ढाकेचा का उपलेटा कोटेज अस्पताल में उपचार चल रहा है। दोनों मृतक युवक जामजोधपुर तहसील के नानी गोप गांव के निवासी थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है।

गरीब कल्याण की प्रत्येक योजना में सौ फीसदी लाभार्थी लक्ष्य हासिल होने से तुष्टीकरण की राजनीति-भेदभाव की रेखा समाप्त हो जाती है: प्रधानमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सरकार की गरीबोन्मुखी जनहितैषी योजनाओं के अंतर्गत सौ फीसदी लाभार्थियों को कवर करते हुए बिना पंथ या वर्ग के भेदभाव के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' सूत्र के साथ गरीब कल्याण की प्रत्येक योजनाओं से कोई भी लाभार्थी वंचित न रहे उस दृढ़ संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को मिलने से सामाजिक भेदभाव के दूर होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जनकल्याण के लिए लागू की गई सरकारी योजना का लाभ सभी लोगों को मिलने से एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी आता है। तुष्टीकरण की राजनीति का भी अंत आता है और समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को भी यह अहसास होता है कि सरकार उसके साथ खड़ी है। सरकारी योजनाओं को सौ फीसदी परिपूर्ण करने के प्रधानमंत्री के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए भरुच जिला प्रशासन की ओर से शुरू की गई 'उत्कर्ष पहल' के तहत सामाजिक सुरक्षा की मुख्य चार योजनाओं के सौ फीसदी लाभार्थियों को लाभ वितरण करने के लिए गुरुवार को भरुच में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री वर्चुअल तरीके से सहभागी बने। जिला प्रशासन की 'उत्कर्ष पहल' के अंतर्गत राज्य सरकार की गंगा स्वरूपा (विधवा महिला) वित्तीय सहायता योजना, राष्ट्रीय वृद्ध योजना, निराधार वृद्ध वित्तीय सहायता योजना और राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना में देश में पहली बार सौ फीसदी लाभार्थियों को शामिल कर लिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भरुच में आयोजित कार्यक्रम में इन योजनाओं के कुल 13 हजार लाभार्थियों को विभिन्न लाभों का वितरण किया। प्रधानमंत्री ने इन योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद भी किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गरीब को सरकारी योजना का लाभ मिलने से उसमें आत्मविश्वास का संचार होता है और मुश्किलों का सामना करने की शक्ति मिलती है। इस शक्ति के मिलने से मुसीबत भी मजबूर हो जाती है और गरीब खुद समस्या का सामना करने को मजबूत बन जाता है। उन्होंने कहा कि अब तक होता यह था कि किसी योजना की जानकारी के अभाव में लोग उसके लाभ से वंचित रह जाते थे और वह योजना कागज पर ही रहती थी। हमारी सरकार ने स्पष्ट इरादे, साफ नीयत और नेकी से काम कर 'सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विश्वास, सबका प्रयास' से योजना का लाभ सौ फीसदी लोगों तक पहुंचाने का संकल्प किया है। मोदी ने कहा कि सरकार के पिछले आठ वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। सरकार इस बात को लेकर प्रतिबद्ध है कि गरीब कल्याण योजनाओं का एक भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। किसी भी योजना में सौ फीसदी लक्ष्य प्राप्त करना कोई आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि इस बात का बड़ा प्रमाण है कि शासन-प्रशासन गरीबों के प्रति संवेदनशील है, उनके सुख-दुख का साथी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आठ वर्ष के सुशासन के अनुभव के साथ नए संकल्पों और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। वर्ष 2014 से पूर्व देश की आधी आबादी शौचालय, टीकाकरण, बिजली कनेक्शन और बैंकिंग आदि सुविधाओं से वंचित थी। हम सभी के सामूहिक प्रयासों से गरीब कल्याण की अनेक योजनाओं को सौ फीसदी परिपूर्ण करने के करीब ला पाए हैं। हमने देश की लगभग 50 करोड़ आबादी को आयुष्मान भारत के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य उपचार, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना के अंतर्गत 4 लाख रुपए का बीमा कवच, पेंशन, पक्के आवास तथा बिजली व नल कनेक्शन देकर गरीबों के जीवन में उन्नति का नया उजियारा फैलाया है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश के नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं और योजनाओं का लाभ प्रदान करना सामाजिक न्याय का बड़ा माध्यम है। उन्होंने मृदु लेकिन मजबूत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गरीबों को गरिमा प्रदान कर गुजरात सरकार द्वारा गरीबों के सर्वांगीण कल्याण के संकल्प को सिद्ध करने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ काम करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार 90 फीसदी छोटे एवं सीमांत किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि योजना, मछुआरों के लिए क्रेडिट कार्ड और फेरीवालों (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण सहायता दी जा रही है। इससे इस वर्ग के लोग आर्थिक रूप से सक्षम बन रहे हैं। भरुच के साथ अपने संस्मरणों की याद ताजा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक जमाने में भरुच में सड़क की दुर्दशा का आलम यह था कि सड़क पर ठेला लेकर निकलने पर गड्ढों की चलते सामान गिर जाता था। आज वही भरुच युवाओं के सपने और आकांक्षाओं का जिला बन गया है। मां नर्मदा और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण से भरुच और राजपीपला जिले की वैश्विक पहचान स्थापित हुई है। औद्योगिक विकास के लिए माल ढुलाई गलियारा, बुलेट ट्रेन और एक्सप्रेस-वे की सुविधा मिलने से भरुच को बड़ा लाभ पहुंचा है। ब्लू इकोनॉमी में भरुच जिला महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड का आईपीओ 17 मई, 2022 को खुलेगा

मुंबई, 12 मई, 2022: पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड (कंपनी) 17 मई, 2022 को अपना आईपीओ (ठऑफ़रठ) खोलेगी। एंकर निवेशक बोली/प्रस्ताव अवधि, बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले यानी कि 13 मई, 2022 को होगी।

ऑफर का प्राइस बैंड ?10 अंकित मूल्य पर ?39 प्रति इक्विटी शेयर से ?42 प्रति इक्विटी शेयर के बीच तय किया गया है। न्यूनतम 350 इक्विटी शेयर और उसके बाद 350 इक्विटी शेयर के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है।

इश्यू ऑफर में शामिल हैं **(i)** ?10 अंकित मूल्य के कुल ?10,040 मिलियन के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू) और **(ii)** प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक एवं भारत सरकार के विक्रेता शेयरधारक के 118,507,493 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ठऑफर फॉर सेलठ)। कंपनी का इरादा नए इश्यू से होने वाली शुद्ध आय का उपयोग **(i)** गोवा संयंत्र के अधिग्रहण के आंशिक-वित्तपोषण; **(ii)** हमारे कुछ उधारों के पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान; और **(iii)** सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करना है।

इस ऑफर में पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (ठबीएसईठ) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (ठएनएसईठ, बीएसई, ठस्टॉक एक्सचेंजठ) दोनों पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

पश्चिम रेलवे
शुद्धिपत्र
निविदा सूचना सं.: 12480-एफएसएलआर-I-2022-02, दिनांक 03.05.2022; 12971-एफएलडब्ल्यूएलआरआरएम-2022-02, दिनांक 03.05.2022; 22951-एफएसएलआर-I-2022-02, दिनांक 03.05.2022; 22951-आरएसएलआर-I-2022-02, दिनांक 03.05.2022; 19015-एफएसएलआर-II-2022-02, दिनांक 03.05.2022 एवं 19015-आरएसएलआर-I-2022-02, दिनांक 03.05.2022 को **रद्द कर दिया गया है।** अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। **0091**
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

बाबा हरदेव सिंह जी को समर्पित – समर्पण दिवस

अहमदाबाद 12, मई, 2022: युगदश्टा बाबा हरदेव सिंह जी का दिव्य, सर्वप्रिय स्वभाव व उनकी विषाल अलौकिक सोच, मानव कल्याण को समर्पित थी। उन्होंने पूर्ण समर्पण, सहनषीलता एंव विशालता वाले भावों से युक्त होकर ब्रह्मज्ञान रूपी सत्य के संदेष को जन–जन तक पहुंचाया और विष्वबन्धुत्व की परिकल्पना को वास्तविक रूप प्रदान किया।

बाबा हरदेव सिंह जी ने 36 वर्षों तक सत्गुरू रूप में निरंकारी मिशन की बागड़ोर संभाली। उन्होंने आध्यात्मिक जागशति के साथ–साथ समाज कल्याण के लिए भी अनेक कार्यों को रूपरेखा प्रदान की, जिनमें मुख्यतः रक्तदान, ब्लड बैंक का गठन, नेत्र जांच षिविर, वक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान आदि के आयोजन का बहुमूल्य योगदान रहा। एक आदर्ष समाज की स्थापना हेतु महिला सषक्तिकरण एवं युवाओं की ऊर्जा को नया आयाम देने के लिए भी बाबा जी ने कई परियोजनाओं को आशीर्वाद दिया। इसके अतिरिक्त प्राकशतिक आपदाओं के समय में भी उनके निर्देषन में मिषन द्वारा निरंतर सेवाएं निभाई गई।
बाबा हरदेव सिंह जी को मानव मात्र की सेवाओं में अपना उत्कश्ट योगदान देने के लिए देष–विदेष में सम्मानित भी किया गया। उन्हें 27 यूरोपीय देशों की पार्लियामेंट ने विशेष तौर पर सम्मानित किया और मिषन को संयुक्त राष्ट्र (यू. एन.) का मुख्य सलाहकार भी बनाया गया। साथ ही विष्व में षांति स्थापित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मानित किया गया।

संत निरंकारी मंडल अहमदाबाद के ज़ोनल इन-चार्ज श्री. धरमपाल मोटवानी जी ने बताया की अहमदाबाद स्तिथ इंडीक्विप सत्संग प्लाट पर शामको 5.30 से 8.0 तक समर्पण दिवस सत्संग कार्यक्रम रखा गया हे.

सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की दिव्य उपस्थिति में इस वर्श 'समर्पण दिवस' का आयोजन एक विषाल निरंकारी संत समागम के रूप में आज दिनांक 13 मई, दिन षुक्रवार, सायं 5.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक, संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा (हरियाणा) में किया जायेगा। यह समागम देश एवं विदेशों के विभिन्न हिस्सों में भी आयोजित किया जायेगा जहां सभी भक्त बड़ी संख्या में एकत्रित होकर बाबा हरदेव सिंह जी को स्मरण करेंगे और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर पूर्ण सकारात्मकता एवं समर्पण के साथ चलने के संकल्प को दोहरायेंगे।

बेहतरीन स्पिलवे क्लीइम्बो के साथ नई रेंज रोवर स्पोर्ट्सका शानदार ग्लोबल प्रीमियर

नई रेंज रोवर स्पोर्टलक्जरी परफॉर्मेंस वाली एसयूवी ने बांध के रैंप पर चढ़ते समय होने वाली संभावित तेज गिरावट की आशंका पर रोक लगाई, वहीं पानी के तेज बहाव को भी झेला। दुनिया भर को पहली बार अपनी जबर्दस्त क्षमता की झलक देते हुए इस गाड़ी का ग्लोबल प्रीमियर किया गया

गेडन (ब्रिटेन),12 मई 2022 -नई रेंज रोवर स्पोर्ट्स का ग्लोबल प्रीमियर दुनिया भर में पहली बार आइसलैंड में बांध के रैंप पर पानी से लबालब भरे रास्ते से गुजरकर डैम की ऊंचाई तक पहली बार गाड़ी की चढ़ाई कराकरशानदार अंदाज में किया गया।

गाड़ी की ऐतिहासिक और जबर्दस्त चढ़ाई ने यह दिखा दिया है कि नई रेंज रोवर स्पोर्ट्स 750 टन प्रति मिनट की दर से दुनिया में अपनी तरह के सबसे बड़े बांध करहंजुकर बांध के रैंप से पानी की बहती धार का काफी मजबूती से सामना कर सकती है। गाड़ी की खींचने की प्रक्रिया में जरा भी सी ढिलाई से रैंप के मुहाने से खतरनाक ढंग से 90 मीटर की तेज रफ्तार से नीचेजमीन पर गिरने का खतरा था।

लैंड रोवर की लग्जरी परफॉर्मेंस एसयूवी की थर्ड जेनरेशन की कार पसंदीदा, तकनीकी रूप से उन्नत और जबर्दस्त क्षमता वाली एसयूवी है। यह लैंड रोवर में अब तक फिट किए गए सबसे उन्नत चेसिस तकनीक के मिश्रणका फायदा उठाते हुए ड्राइविंग के समय काफी बेहतर रेस्पॉन्स देती हैऔर सड़क पर अपनी प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज कराती है।

अहमदाबाद मंडल द्वारा 67 वाँ ''रेल सप्ताह'' समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया

- उत्वृष्ठ कार्य लिए 278 रेलकर्मियों को डीआरएम श्री तरुण जैन ने किया सम्मानित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 67वाँ रेल सप्ताह समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। रवीन्द्रनाथ टैगोर हॉल ,पालड़ी, अहमदाबाद में आयोजित एक समारोह में मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन द्वारा मंडल पर वर्ष 2021-22 के दौरान उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए 278 रेलकर्मियों को अवार्ड प्रदान किया गया तथा उन्हें नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडल के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के संयुक्तरप प्रयास के कारण ही अहमदाबाद मंडल पश्चिम रेलवे के साथ ही साथ भारतीय रेलवे स्तलर पर भी एक महत्वापूर्ण मुकाम हासिल कर सका है। सबसे पहले यदि हम संरक्षा की बात करें तो अहमदाबाद मंडल पर वर्ष 2021-22 में एक भी दुर्घटना नहीं हुई है, यह हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है और इसे हमे मेंटेंन करके चलना है। अहमदाबाद मंडल का गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टे्शन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भारतीय रेलवे का प्रथम पुनर्विकसित रेलवे स्टेलशन है, यह भी हमारे मंडल के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्युतीकरण के मामले में भी अपना मंडल 392 रूट किमी का विद्युतीकरण कर भारतीय रेलवे में सबसे अधिक विद्युतीकरण के मामले में दूसरा स्थालन हासिल किया है जिसके परिणामस्वररूप अहमदाबाद मंडल की 23 जोड़ी ट्रेनों को डीजल से इलेक्ट्रिक ट्रैक्श न में बदला गया है। लदान एवं राजस्वम के मामले में भी अहमदाबाद मंडल ने नए-नए किर्तिमान बनाए हैं । हमने वर्ष 2021-22में 100 करोड़ रूपए का राजस्वी हासिल कर अब तक की सर्वश्रेष्ठअ कमाई की । ये सभी कार्य हम सबके संयुक्त कार्य का ही प्रतिफल है। इससे यह प्रतित होता है कि हम एक बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रहे हैं। इसी संदर्भ में एक महान विचारक श्री जॉन सी. मैक्स वेल ने कहा था कि 'सच तो यह है कि टीम वर्क महान उपलब्धि की बुनियाद है' और हमलोग इसी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमारे टीम वर्क एवं उपलब्धियों के कारण ही मुख्यारलय स्तमर पर हमें प्रतिष्ठित महाप्रबंधक दक्षता शील्उर सहित कुल 10 दक्षता शील्डध इस वर्ष प्राप्त हुए हैं। जिसमें वाणिज्य् विभाग, सिविल इंजीनियरिंग शील्ड , अहमदाबाद-एकता नगर जनशताब्दी् एक्ससप्रेस के श्रेष्ठ रखरखाब हेतु प्रथम पुरस्काठर, अहमदाबद बीजी डीपो को बेस्ट ट्रॉफी व नगद पुरस्कावर, भीलड़ी रनिंग रूप को बेस्टथ रखरखाव हेतु लोलिंग शील्डम व फर्स्टह रैंक ट्रॉफी एवं नगद पुरस्काडर, पश्चिम रेवे में सवाधिक लदा के लिए वेस्ट् लोडिंग प्रयास शील्डश, राजभाषा एवं ईएनएचएम ट्राफी प्राप्तं करने का गौरव मिला है। इसके अतिरिक्तक इंटर डिवीजनल क्लिननेस शील्डल एवं सिगनल एवं टेलीकॉम शील्ड भी मंडल को अन्यै मंडल के साथ शेयरिंग में प्राप्तर हुए हैं। पश्चिम रेलवे में अहममदाबाद मंडल को सबसे अधिक शील्ड प्राप्तं करने का गौरव प्राप्तव हुआ है। इसके अतिरिक्तल लगभग 17 अधिकारियों/कर्मचारियों को व्या्क्तिगत पुरस्कारर प्रदान किया गया है। आज हमलोग यहाँ मंडल स्तलर पर वर्ष 2021-22 के दौरान उत्कृ ष्टक कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृ त करने के लिए उपस्थित हैं। इस दौरान मैं अपने कर्मचारियों से यह कहना चाहता हूँ कि पुरस्का्र किसी के द्वारा किए गए कार्य का प्रतिफल नहीं बल्किअ उसका हौसला अफजाई है ताकि और अच्छा्ु कार्य कर सकें तथा अन्यए सहकर्मी को उत्कृकष्टि कार्य करने की प्रेरणा मिल सके। मंडल रेल प्रबंधक जैन ने इस अवसर पर पुरस्कार प्राप्त करनेवाले रेल कर्मियों को बधाई दी तथा उन्हे भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एक रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। समारोह में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन, अहमदाबाद की अध्यक्षा श्रीमती गीतिका जैन, अपर मंडल रेल प्रबंधक अनंत कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक परिमल शिंदे, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारिगण तथा रेल कर्मचारी उपस्थित थे।

सांसद पूनम माडम द्वारा खंभालिया स्टेशन पर 4.34 करोड़ रु. के यात्री सुविधा के विविध कार्यों एवं सबवे का लोकार्पण

अहमदाबाद (ईएमएस) कार्यक्रम के प्रारम्भ में राजकोट मंडल रेल प्रबंधक अनिल कुमार जैनने सांसद पूनम माडम का स्वागत किया। सांसद पूनम माडम द्वाराखंभालिया स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नं 2 पर नवनिर्मित यात्री लिफ्ट, प्लेटफॉर्म नं 1 पर नवनिर्मित कवर शेड , प्लेटफॉर्म नं 1 और 2 पर नवनिर्मित 6 वॉटर फाउंटेन तथा नवनिर्मित लिमिटेड हाइट सबवे नंबर 234 का लोकार्पण किया गया। उपरोक्त सभी यात्री सुविधाओं और सबवे के निर्माण कार्यों की कुल लागत करीब 4.34 करोड़ रु है जिसमें यात्री लिफ्ट की लागत 59.33 लाख रु, कवर शेड की लागत 23.20 लाख रु, 6 वॉटर फाउंटेन की लागत 48,000/- रु और लिमिटेड हाइट सबवे नंबर 234 की लागत 3.51 करोड़ रु शामिल है। इस अवसर पर सांसद पूनम ने कहा किलिफ्ट की सुविधा सभी रेल यात्री विशेष कर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही उपयोगी होगी। साथ ही खंभालिया रेलवे स्टेशन पर कवर शेड और वॉटर फाउंटेनकी सुविधा यात्रियों को बहुत उपयोगी साबित होगी। उन्होने कहा कि खंभालिया यार्ड में नवनिर्मित लिमिटेड हाइट सबवे नंबर 234 बन जाने से आम जनता को फाटक बार-बार बंद होने पर रास्ता बंद होने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर खंभालिया शहर की विभिन्न सामाजिक व सेवाकिय संस्थाओ और एसोसिएसन द्वारा सांसद महोदया का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया अपने उद्बोधन में डीआरएम जैन ने सांसद पूनम माडम द्वारा रेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। अंत में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव जेफ ने सांसद का कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ जनसंपर्क निरीक्षक विवेक तिवारी द्वारा किया गया। इस समारोह में खंभालिया के कई विशिष्ट अतिथिगण सहित राजकोट डिविजन के वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर अर्जुन श्रोफ, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियरश्री एच एस आर्य, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) नरेंद्र सिंह विभिन्न विभागों के वरिष्ठ रेल अधिकारी, आम जनता तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

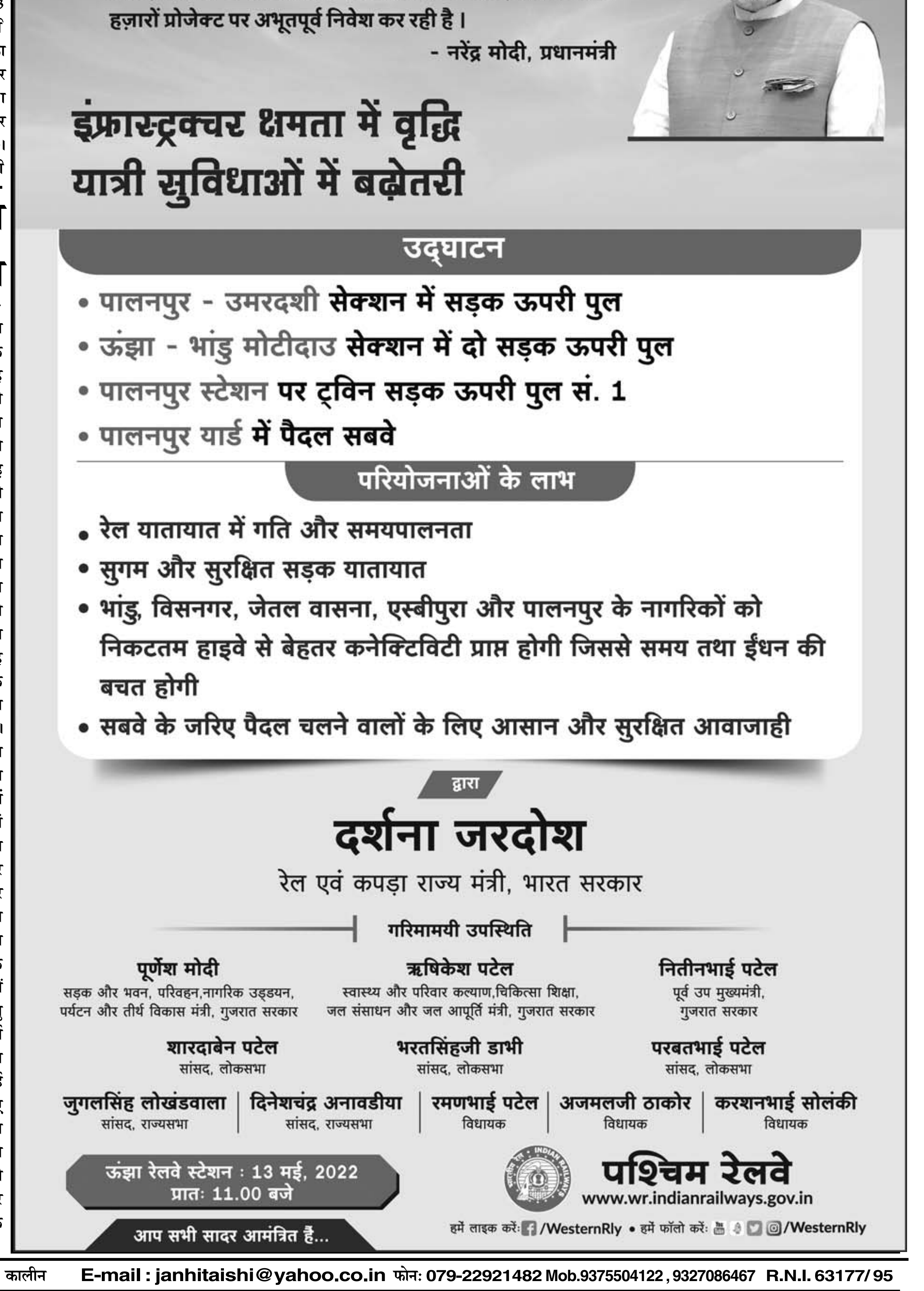

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95